RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 161 , शुक्रवार, 24 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, 6 हजार इंजेक्शन जब्त 03

स्काउट-गाइड शिविर के तीसरे दिन स्वच्छता और पौधारोपण अभियान चलाया गया 04

अर्जुन कपूर और साहिबा बाली लॉड्र्स में साथ दिखे, फैंस के मन में उठे... 07

मेदांता में 600 जवानों की सिक्योरिटी में सोनम वांगचुक

● बोले-सरकार का भरोसा मिले तो आज ही अनशन खत्म ● नड्डा ने कहा-आपकी चिट्ठी मिली, हम लोग चर्चा कर रहे

गुरुग्राम (एजेंसी)। सोनम वांगचुक के अनशन का गुरुवार को 26वां दिन है। गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती हुए उन्हें दो दिन हो चुके हैं। बुधवार को उनसे मिलने पहुंचे आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और समाजवादी पार्टी के 15 विपक्षी सांसदों को पुलिस ने रोक दिया था। पुलिस और सांसदों के बीच बहस हुई। नाराज सांसद गेट पर ही धरने पर बैठ गए। इसे लेकर करीब एक घंटे तक हंगामा चला। इसके बाद सोनम ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज जारी किया, जिसमें कहा- अनशन को 25 दिन बीत गए हैं लेकिन अभी तक जिंदा हूं। कुछ सांसद मुझसे मिलने आए, उन्होंने भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की। मुझे अगर सरकार की तरफ से भरोसा मिले तो मैं आज ही अनशन खत्म करने को तैयार हूं। बस सरकार छात्रों के खिलाफ कार्रवाई न करे।' उधर, शाम को केंद्रीय मंत्री जेपी नड ?डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा कि वांगचुक ने हमें ओपन लेटर लिखा है। हम जल्दी उस लेटर का जवाब देंगे। इसके अलावा सीजेपी के लोगों की बातें भी हमने शांति से सुनी। उन्होंने अपनी बातें लिखकर दी हैं। हम चर्चा को तैयार है। जब कहेंगे हम चर्चा करेंगे।

सोनम वांगचुक ने सरकार को लिखी चिट्ठी में रखीं ये शर्तें

वांगचुक ने चिट्ठी में सबसे पहले सरकार की ओर से पहल करने का आभार जताया। तीन मांगें रखीं, जिसमें परीक्षा पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा और जवाबदेही तय करने के लिए संसद में सार्थक चर्चा हो।

हर छात्र आंदोलन लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं

तसलीमा नसरीन की चेतावनी, बोलीं-बांग्लादेश सा न हो जाए भारत का हाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन को लेकर बांग्लादेश की लेखिका तसलीमा नसरीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा कि जंतर-मंतर पर जुटे कॉकरोच आंदोलन के प्रदर्शनकारियों को देखकर उन्हें बांग्लादेश के जुलाई 2024 के छात्र आंदोलन की याद आ गई। उन्होंने कहा कि उस आंदोलन की शुरुआत आरक्षण और मेरिट के मुद्दे से हुई थी, लेकिन बाद में वह सरकार बदलने की मांग तक पहुंच गया। तसलीमा नसरीन ने दावा किया कि बांग्लादेश आज भी उस आंदोलन के बाद की स्थिति की कीमत चुका रहा है। उनके मुताबिक, वहां कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हुईं और देश में हिंसा, सांप्रदायिकता, धार्मिक कट्टरता, महिलाओं के खिलाफ अपराध, आतंकवाद और अराजकता बढ़ी।

जंतर-मंतर के आंदोलन पर जताई चिंता

तसलीमा नसरीन ने लिखा कि जंतर-मंतर पर कॉकरोच आंदोलन के प्रदर्शनकारियों को देखकर उन्हें जुलाई 2024 के बांग्लादेश आंदोलन की याद आ गई। उन्होंने दोनों घटनाओं के बीच अपनी आशंका का जिक्र करते हुए कहा कि छात्र आंदोलनों को अब वह पहले की तरह आसानी से भरोसे की नजर से नहीं देख पाती हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में छात्र आंदोलन की शुरुआत कोटा या मेरिट, मेरिट- मेरिट के नारे से हुई थी, लेकिन बाद में आंदोलन का लक्ष्य सरकार को हटाना बन गया था।

सोनम रघुवंशी फिर जेल जाएगी, 'सुप्रीम' जमानत रद्द

● तीन हफ्ते में सरेंडर करना होगा, पुलिस को 6 महीने में ट्रायल पूरा करने के आदेश

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी। कोर्ट ने मेघालय पुलिस की याचिका पर सुनवाई के बाद गुरुवार को फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने सोनम को तीन हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया है। यानी सोनम को फिर जेल जाना होगा। कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट ने गिरफ्तारी के आधारों की जानकारी दिए जाने में कथित खामियों के आधार पर जमानत देकर गलती की थी। इसके साथ ही कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि मामले का ट्रायल 6 महीने के भीतर पूरा किया जाए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर तय अवधि में ट्रायल पूरा नहीं होता है तो सोनम रघुवंशी दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकती है।

गिरफ्तारी के आधार बताए गए थे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत गिरफ्तारी के आधार की जानकारी देना अनिवार्य है, लेकिन इस मामले में गिरफ्तारी के आधार बताने में पूरी तरह नाकामी नहीं हुई थी। कोर्ट के अनुसार, गिरफ्तारी के आधार बिल्कुल न बताना और उनमें कुछ जानकारियों का अपर्याप्त होना, दोनों अलग-अलग स्थितियां हैं। इसलिए केवल तकनीकी कमी के आधार पर जमानत देना उचित नहीं था। कोर्ट ने यह भी कहा कि सोनम ने मजिस्ट्रेट के सामने गिरफ्तारी के आधार और संबंधित दस्तावेज मिलने की पुष्टि की थी। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि गिरफ्तारी की प्रक्रिया में कोई कमी भी हो, तब भी जांच एजेंसी जरूरत पड़ने पर दोबारा गिरफ्तारी कर सकती है। जस्टिस एमएम सुंदरेशन की बेंच ने मामले में सुनवाई की।

24 घंटे में 4 बार ऑफर

● हर समय चर्चा को तैयार है सरकार, बड़ा दावा ● अड़ी सीजेपी, कहा-नड्डा के घर नहीं जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने गुरुवार को कहा कि वह कॉकरोच जनता पार्टी के साथ किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दावा किया कि बुधवार दोपहर से अब तक सीजेपी को चार बार प्रस्ताव भेजा गया है। जेपी नड्डा के घर या ऑफिस, कहीं भी बातचीत हो सकती है और दोनों मंत्री इसमें शामिल होंगे। दूसरी ओर सीजेपी ने सरकार का प्रस्ताव ठुकरा दिया। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि अगर सरकार बातचीत करना चाहती है तो जंतर-मंतर आए या प्रदर्शन स्थल के पास किसी न्यूट्रल जगह पर बातचीत करे। सौरव ने कहा- हमें पुलिस ने बताया कि सरकार ने बातचीत के लिए बुलाया है, लेकिन हम किसी के घर या ऑफिस नहीं जाएंगे। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों का प्रदर्शन 20 जून से जारी है।

बिना सबूत छात्रों को हिंसा से न जोड़ें

जंतर-मंतर पर जारी छात्रों के प्रदर्शन के बीच सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर

छात्रों का पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक होने के नाते मीडिया में छात्रों की छवि खराब होते देखना बेहद दुखद है। उनका कहना है कि जंतर-मंतर पर छात्रों का आंदोलन शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा है और बिना किसी ठोस सबूत के उन्हें हिंसा से जोड़ना उचित नहीं है।

● **दुखी अन्ना हजारे का अहिल्यानगर में मौन आंदोलन शुरू-** देश के जाने-माने समाजसेवी अन्ना हजारे ने अन्ना हजारे ने दिल्ली के छात्रों के समर्थन में अहिल्यानगर में मौन विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। अन्ना हजारे ने गुरुवार को महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में दिल्ली में परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर विरोध कर रहे छात्रों के समर्थन में मौन आंदोलन शुरू किया। वह इस मौके पर बेहद इमोशनल हो गए। वह छात्रों पर बल प्रयोग को लेकर बेहद आहत हैं। हजारे का यह विरोध प्रदर्शन कॉकरोच जनता पार्टी के चल रहे विरोध के बीच हो रहा है, जो परीक्षा पेपर लीक के आरोपों पर जवाबदेही और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है। अन्ना हजारे ने एक दिन पहले पीएम मोदी को पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने कहा था कि सरकार हल निकाले।

दोषियों को दिलाई जाएगी सख्त से सख्त सजा: पीएम

● नीट विवाद के बीच मोदी का ऐलान, सरकार ऐक्टिव, बातचीत की पेशकश

नई दिल्ली (एजेंसी)। छात्रों द्वारा नीट पेपर लीक को लेकर चल रहे धरना प्रदर्शन के बीच युवाओं और छात्रों के हितों की रक्षा के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा कि पेपर लीक मामलों की त्वरित सुनवाई और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई होगी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने के लिए, केस के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा। इस संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं कि संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित

करें। विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए, सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों की श्रृंखला में ये एक कदम है।

● **पेपर लीक केस के लिए पहली बार फास्ट ट्रैक कोर्ट-** देश में अब तक पेपर लीक मामलों की सुनवाई सामान्य अदालतों में होती थी, इसलिए फैसला आने में कई साल लग जाते थे। अब प्रधानमंत्री ने इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है, ताकि फैसला तेजी से हो सके। भारत में फास्ट ट्रैक कोर्ट की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। इनका गठन 11वें वित्त आयोग की सिफारिश पर किया गया था। आयोग ने देशभर में 1734 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के लिए स्पेशल फंड की अनुशंसा की थी।

प्रियंका गांधी नारे लगाते हुए एनडीए सांसदों के पास पहुंचीं

● संसद के बाहर एनडीए व इंडिया ब्लॉक आमने-सामने ● सुरक्षाकर्मियों ने रोका, लोकसभा-राज्यसभा दोनों स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार को संसद भवन के बाहर एनडीए और विपक्ष आमने-सामने आ गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्ष के सामने एनडीए के सांसद भी विरोध प्रदर्शन में उतर गए। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एनडीए सांसद पीएम आवास के बाहर 21 जुलाई को राहुल के धरने का विरोध कर रहे हैं। वहीं इंडिया ब्लॉक नीट पेपर लीक को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहा है। प्रदर्शन के दौरान प्रियंका गांधी एनडीए सांसदों के बिल्कुल करीब चली गईं। सुरक्षाकर्मियों ने बीच में आकर उन्हें रोका। संसद के भीतर भी हंगामा जारी रहा। इसके कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

दिल्ली की आग पहुंची दरभंगा, भारी बवाल

● छात्रों के प्रदर्शन में जमकर पथराव, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

दरभंगा (एजेंसी)। दिल्ली और पटना की आग दरभंगा पहुंच चुकी है। दरभंगा में छात्रों ने दिल्ली में सीजेपी प्रोटेस्ट के समर्थन और दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन किया। छात्रों ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतर गए। इस दौरान छात्रों ने लोहिया चौक पर पथराव करना शुरू कर दिया। इस पथराव में दर्जन भर राहगीर घायल हो गए। पथराव रोकने के क्रम में एक सिपाही को गंभीर चोट लग गई। वहीं सिटी एसपी अशोक कुमार चौधरी के पैर में चोट लगी है। गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते डीएम कौशल कुमार, डीआईजी मनोज कुमार तिवारी, एसएसपी जगुनाथ रेड्डी सहित भारी संख्या पहुंची पुलिस प्रदर्शनकारियों को काबू करने में लगी है। घटना के बाद पूरा इलाका रणक्षेत्र बना हुआ है।

छात्रों पर पुलिस का लाठीचार्ज

स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। इसके बावजूद जब भीड़ नहीं हटी तो दंगा नियंत्रण के तहत सात राउंड आंसू गैस के गोले छोड़े। घटना के करीब दो घंटे बाद भी पूरे लहेरियासराय थाना क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। बताया जाता है कि बिना पूर्व सूचना के करीब दो हजार से अधिक छात्र दरभंगा शहर के कर्पूरी चौक पर एकत्र हुए। वहां से जुलूस निकालते हुए समाहरणालय रोड पहुंचे और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे।

छात्रों को धमकी, तुम्हें ड्रग्स केस में फंसा देंगे

● वीडियो वायरल, मुंबई पुलिस ने आरोपी को काम से हटाया, जांच शुरू

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के एक पुलिसकर्मी ने नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों को प्रदर्शन से दूर रखने के लिए ड्रग्स के झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी है। इस घटना का वीडियो मुंबई कांग्रेस के एक्स हैंडल पर पोस्ट किया गया है। यह वीडियो वायरल है। पिछले कुछ दिनों में शिवाजी पार्क, चेंबूर और आज़ाद मैदान जैसी मुंबई की कई जगहों पर बड़ी संख्या में छात्र और नागरिक विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। मुंबई कांग्रेस के पोस्ट किए गए वीडियो में एक पुलिसकर्मी छात्रों के एक समूह को धमकी देता हुआ दिख रहा है कि अगर वे दोबारा विरोध-प्रदर्शन में शामिल हुए, तो उन्हें ड्रग्स के झूठे मामले में फंसा दिया जाएगा। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए, मुंबई पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

गाजीपुर में 51 लाइसेंस पर 145 हथियार!

सपा सांसद अफजल भी फंसे, मुख्तार के गिरोह की थी साजिश

गाजीपुर (एजेंसी)। गाजीपुर लोकसभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी के सांसद अफजल अंसारी हथियारों के लाइसेंसों में की गई गड़बड़ी के मामले में फंस गए हैं। यहां पर 51 शस्त्र लाइसेंसों पर 145 हथियारों की खरीद-बिक्री की गई है। यह करतूत दो क्लर्कों की मदद से की गई है। इस मामले में बाहुबली नेता और माफिया रहे मुख्तार अंसारी के भाई सांसद अफजल अंसारी और कुख्यात आईएस-191 गिरोह के सदस्य कथित रूप से शामिल रहे हैं। पुलिस ने अफजल और दो लिपिकों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, जिले के अभिलेखागार से शस्त्र लाइसेंस और उसकी खरीद-बिक्री से जुड़ी पत्रावली गायब कर दी गई है। इस मामले में सपा सांसद अफजाल अंसारी, तत्कालीन शस्त्र लिपिक अशफाक अहमद और गौरी शंकर राम के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। बताया जाता है कि यह गड़बड़ी सांसद अंसारी ने दोनों क्लर्कों की मिलीभगत से की थी। अब पुलिस मुख्तार अंसारी के आईएस-191 गिरोह के गुर्गों और उनके सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

एसपी डॉ ईरज राजा के अनुसार माफिया सरगना रहे मुख्तार अंसारी और उसके परिवार के लोगों ने आईएस-191 गिरोह के सदस्यों व सहयोगियों के नाम से जारी किए गए हथियारों के 51 लाइसेंसों की खरीद की।

अंसारी के लाइसेंस की पत्रावली गायब

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कलेक्टर कार्यालय से जो जानकारी मिली है उसके अनुसार अभिलेखागार में पत्रावलियां मौजूद नहीं हैं। अफजल अंसारी के नाम से जारी लाइसेंस संख्या 1188 पी2 की पत्रावली भी गायब मिली। यह गड़बड़ी कलेक्ट्रेट के शस्त्र लिपिकों की मिलीभगत से की गई थी। लाइसेंस पर खरीदी गई राइफल (नंबर 830405) की जानकारी भी नहीं मिली। इस पर पुलिस ने लाइसेंसधारक अफजल अंसारी, तत्कालीन शस्त्र लिपिक अशफाक अहमद और गौरी शंकर राम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। पुलिस के मुताबिक 30 साल पहले भी अलग-अलग जांच एजेंसियों ने इस मामले में कार्रवाई की थी। मऊ, आजमगढ़ और गाजीपुर से फर्जी लाइसेंस जारी किए गए थे। जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पता चला है कि आरोपी और उनसे जुड़े लोग अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके कार्रवाई से बचते रहे हैं। पुलिस ने बताया कि आईएस-191 गिरोह और उसके सहयोगियों के नाम पर समय-समय पर शस्त्र लाइसेंस दिए गए थे। इन लाइसेंसों पर 145 हथियार खरीदे गए। यह हथियार पकड़े न जा सकें इसलिए मिलीभगत करके पत्रावलियां अभिलेखागार से गायब करा दी गईं। शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली व क्रय-विक्रय पत्रावली इसलिए गायब की गईं ताकि हथियारों का उपयोग आईएस-191 गैंग के सदस्य अपराधिक गतिविधियों के लिए कर सकें। वाराणसी के डीआईजी वैभव कृष्णा ने कहा है कि, जांच की जा रही है।

ईरान का मिडिल-ईस्ट में अमेरिकी बेस पर हमला

● बड़ा दावा-जॉर्डन में थाड डिफेंस सिस्टम किया तबाह

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने मिडिल-ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए हैं। सेना ने जॉर्डन और कुवैत में यूएस बेस पर ड्रोन और मिसाइल दागी हैं। आईआरजीसी ने दावा किया कि जॉर्डन में तैनात अमेरिकी थाड (टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस) एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया गया है। इसके अलावा कुवैत में अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन के ऑपरेशन बेस पर भी हमला किया गया। ईरान का कहना है कि ये कार्रवाई हाल के अमेरिकी हमलों के जवाब में की गई है। इससे पहले अमेरिका ने बुधवार रात ईरान में इराक बॉर्डर पर स्थित शलमचेह बॉर्डर क्रॉसिंग पर हवाई हमला किया। खुजेस्तान प्रांत के डिप्टी गवर्नर ने बताया कि इस हमले में दो लोगों की मौत हुई है।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली- अपहरण के बाद 10 साल के बच्चे का मर्डर

हाजीपुर। वैशाली के राघोपुर में अपहरण के बाद बच्चे की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने किडनैपर को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन बच्चा नहीं मिला है। आरोपी ने बताया है कि हमने बच्चे की हत्या कर गंगा नदी में बॉडी फेंक दी है। 20 जुलाई को 10 साल के अंकुश का घर के बाहर से अपहरण हुआ था। वो दूसरी क्लास में पढ़ता था। अपराधियों ने फोन कर परिवार से 10 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। पैसे नहीं देने पर हत्या की धमकी दी थी। बच्चे के पिता का नाम अनिल पंडित है। वो मजदूर हैं। अपहरण मामले में पुलिस ने गांव के ही किराना दुकानदार मनोज कुमार राय को पुलिस ने हिरासत में लिया था। पूछताछ में उसने बताया कि बच्चे की हत्या कर शव को गंगा नदी में फेंक दिया है। पुलिस अब बच्चे की बॉडी ढूंढ रही है। दरअसल, 20 जुलाई सोमवार को अंकुश दोपहर करीब 11 बजे अपने घर के दरवाजे पर खेलते हुए अचानक लापता हो गया। परिजन ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। दोपहर 2 बजे परिजन ने राघोपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। इसके बाद रात 8 बजे अनिल पंडित के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने पहले 10 लाख रुपए की फिरौती मांगी। बाद में उसने रकम घटाकर 5 लाख रुपए करने की बात कही और धमकी दी कि पैसे न देने पर बच्चे को जान से मार दिया जाएगा। इसके बाद रात 10 बजे तक आरोपियों का 2 बार और कॉल आया। 5 लाख की फिरौती को घटाकर उन्होंने 3 लाख किया फिर 39,000 रुपए पर मान गए। लेकिन परिजन के पैसा देने से पहले बच्चे ने किडनैपर को पहचान लिया। इसके बाद पहचान उजागर होने के डर से आरोपी ने बच्चे की हत्या कर दी।

महुआ में अनुरक्षक संघ ने दी आत्मदाह की चेतावनी

हाजीपुर। वैशाली के महुआ प्रखंड कार्यालय परिसर में नल-जल अनुरक्षक संघ ने प्रदर्शन किया। इस दौरान संघ की जिला अध्यक्ष अजमेरी खातून ने हाथ में जहर का पैकेट दिखाकर आत्मदाह की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे यह कदम उठाने को मजबूर होंगी। अनुरक्षकों का आरोप है कि हाल ही में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सौरव बरनवाल, मुखिया पति पारसमणी और महुआ थानाध्यक्ष अरविंद प्रसाद पुलिस बल के साथ अजमेरी खातून के घर पहुंचे थे। उन्होंने हड़ताल के बावजूद जबरदस्ती नल-जल आपूर्ति बहाल कराई। इसी घटना के विरोध में यह प्रदर्शन आयोजित किया गया है। जिला अध्यक्ष अजमेरी खातून ने बीडीओ को एक लिखित आवेदन भी सौंपा है। इसमें उन्होंने बताया कि सरकार से मांगें पूरी न होने और कैबिनेट से प्रस्ताव पारित न होने के कारण सभी अनुरक्षक 15 जुलाई, 2026 से हड़ताल पर हैं। इस हड़ताल की सूचना जिलाधिकारी,

पंचायती राज पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य हाजीपुर और पुलिस अधीक्षक को लिखित रूप में पहले ही दी जा चुकी है। अजमेरी खातून ने आरोप लगाया कि 19 जुलाई की रात मोहम्मद इस्तखार उनके घर आए और पानी चालू न करने पर धमकी दी। इसके अगले दिन, 20 जुलाई की शाम को वार्ड सदस्य के परिजन मोहम्मद खुर्शीद, मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद अनवारुल सहित कई ग्रामीण उनके दरवाजे पर पहुंचे और गाली-गलौच की। उन्होंने बताया कि मुखिया पति से फोन पर बात कर ताला तोड़ने की बात कही गई थी। इस घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई थी और इसकी सूचना बीडीओ को भी दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अजमेरी खातून के अनुसार, 21 जुलाई की शाम बीडीओ, मुखिया पति और पुलिस उनके घर पहुंचे। उन्होंने जबरदस्ती ताला खुलवाकर पानी की आपूर्ति बहाल कराई। इस दौरान उनके साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया गया और धमकी भी दी गई। उन्होंने मांग की है कि दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए, अन्यथा सभी अनुरक्षक प्रखंड कार्यालय के सामने धरना देकर आत्मदाह करेंगे।

मुजफ्फरपुर में छत पर सोलर पैनल के लिए लोन मेला

मुजफ्फरपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत गुरुवार को रामदयालु स्थित विद्युत आपूर्ति अंचल कार्यालय में सोलर लोन मेला आयोजित किया गया। मेले का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान एक ही परिसर में पंजीकरण, बैंक, वेंडर और बिजली विभाग के अधिकारियों की व्यवस्था की गई, ताकि लोगों की तकनीकी, वित्तीय और पंजीकरण संबंधी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा सके। लोन मेले का उद्देश्य आम लोगों को रूफटॉप सोलर लगाने के लिए प्रोत्साहित करना था। उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए जिले के सभी 12 विद्युत सब-डिवीजन के लिए अलग-अलग पंजीकरण काउंटर बनाए गए थे। प्रत्येक काउंटर पर संबंधित सहायक विद्युत अभियंता मौजूद रहे और लाभुकों का ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी कराई गई। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत पात्र लाभुकों को

रूफटॉप सोलर लगाने पर 78 हजार तक की सब्सिडी दी जाती है। मेले का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को योजना से जोड़ना और सौर ऊर्जा के प्रति जागरूक करना है। मेले के दौरान उन उपभोक्ताओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाकर बिजली बिल को शून्य कर दिया है। इसके अलावा जिले में सबसे अधिक सोलर संयंत्र स्थापित करने वाले प्रमुख वेंडरों को भी सम्मानित किया गया। नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले बिना उचित कारण के कई बैंक सोलर लोन आवेदन अस्वीकार कर देते थे। अब इस प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। उन्होंने बताया कि सोलर संयंत्र लगाने के लिए 2 लाख तक का लोन बिना सिविल स्कोर की अनिवार्यता के भी उपलब्ध कराया जा सकता है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठा सकें।

नदियों का जलस्तर बढ़ा, नेपाल में बारिश का असर, बागमती खतरे के निशान से .55 मीटर नीचे

मुजफ्फरपुर। नेपाल के तराई क्षेत्रों लगातार हो रही बारिश का असर मुजफ्फरपुर में भी दिख रहा है। जिले की प्रमुख नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। स्थिति को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन विभाग और जल संसाधन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। आपातकालीन संचालन केंद्र की ओर से आज सुबह(गुरुवार) 6 बजे जारी दैनिक जलस्तर और बाढ़ पूर्वानुमान आंकड़ों के अनुसार, जिले से गुजरने वाली मुख्य नदियों के गेज स्टेशनों पर पानी का दबाव बना हुआ है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, बागमती नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। कटौझा स्थित गेज स्टेशन पर बागमती का जलस्तर 54.45 मीटर दर्ज किया गया है, जबकि खतरे का निशान .55 मीटर है। पिछले कुछ घंटों में जलस्तर में मामूली गिरावट देखी गई है, लेकिन नेपाल में दोबारा बारिश होने पर यह खतरे के निशान को पार कर सकता है। इस क्षेत्र का अब तक का उच्चतम जलस्तर वर्ष 2021 में 58.34 मीटर दर्ज किया गया था। दूसरी ओर, गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। रेवाघाट गेज स्टेशन पर गंडक का जलस्तर 53.51 मीटर मापा गया है, जो खतरे के निशान 54.41 मीटर से केवल 0.90 मीटर नीचे है। विभाग के अनुसार, रेवाघाट में नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे तटवर्ती इलाकों के ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। सिकंदरपुर में बूढ़ी गंडक नदी का जलस्तर फिलहाल 50.22 मीटर पर स्थिर बना हुआ है, जो खतरे के निशान 52.53 मीटर से सुरक्षित दूरी पर है। नदियों के बदलते मिजाज को देखते हुए कनीय अभियंता, जल निस्सरण प्रमंडल-सह-प्रतिनियुक्त अभियंता, जिला बाढ़ नियंत्रण कक्ष ने सभी तटबंधों की निगरानी बढ़ा दी है। जिला प्रशासन ने निचले इलाकों और दियारा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। बाढ़ सुरक्षात्मक सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है और चौबीसों घंटे इंजीनियरों की टीम स्थिति पर नजर रखे हुए है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

लोकभवन मार्च के लिए निकले टीचर्स को कैंपस में ही रोका गया

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र में 'निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026' पारित होने के बाद इसका विरोध किया जा रहा है। पटना यूनिवर्सिटी के टीचर्स बुधवार को पटना यूनिवर्सिटी से लोकभवन के लिए निकले। लेकिन पुलिस ने उन्हें कैंपस में रोक दिया। दरअसल, निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026' पारित होने के बाद कॉलेजों के प्रोफेसर की भर्ती, ट्रांसफर-पोस्टिंग समेत दूसरे कंट्रोल सरकार के पास होंगे। विरोध करने वाले टीचर्स का कहना है कि, यूनिवर्सिटी को ऑटोनॉमस माना जाता है, राज्यपाल इसके कुलाधिपति होते हैं। नए विधेयक के पास होने से कॉलेजों को यूनिवर्सिटी के कंट्रोल से हटाने से राज्यपाल के अधिकार कम होंगे। इसको लेकर विरोध किया जा रहा है।

सामूहिक अवकाश पर हैं शिक्षक और कर्मचारीः पटना विश्वविद्यालय शिक्षक संघ, कर्मचारी संघ, कॉलेज कर्मचारी संघ और छात्र संघ ने संयुक्त मोर्चा बनाकर सरकार के फैसले का विरोध शुरू किया है। संगठनों का

कहना है कि पटना विश्वविद्यालय अधिनियम अन्य विश्वविद्यालयों से अलग है और उसकी स्वायत्तता से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसी विरोध के तहत शिक्षक और कर्मचारी मंगलवार से सामूहिक अवकाश पर हैं। उनका आरोप है कि सरकार का निर्णय विश्वविद्यालय की स्वायत्त व्यवस्था को प्रभावित करेगा।

पहले भी दी थी आंदोलन की चेतावनीः मंगलवार को भी पटना यूनिवर्सिटी के शिक्षक सीनेट हॉल के बाहर धरने पर बैठे थे। इस दौरान

शिक्षक बोले- विरोध करते रहेंगे

"बिहार सरकार मुर्दाबाद" और "विश्वविद्यालय को सचिवालय नहीं बनने देंगे" जैसे नारे लगाए गए। प्रदर्शन में करीब 350 शिक्षक, कर्मचारी संगठनों के सदस्य और छात्र संघ के प्रतिनिधि सहित लगभग 1000 लोग शामिल हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने पहले ही विधानसभा घेराव और राजभवन मार्च की चेतावनी दी थी। अब उसी क्रम में गुरूवार को लोक भवन मार्च का आयोजन किया जा रहा है।

क्या है सरकार का पक्ष?ः इस विधेयक पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सदन में कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य बिहार में ऐसी शैक्षणिक व्यवस्था विकसित करना है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर पढ़ाई के लिए दूसरे राज्यों का रुख न करना पड़े। हालांकि, पटना विश्वविद्यालय के शिक्षक संगठनों का कहना है कि इस संशोधन से विश्वविद्यालय की स्वायत्तता प्रभावित होगी।

हरा गमछा पहने चोर बाइक स्टार्ट कर ले भागा

एजेंसी, पटना

पटना के बिक्रम थाना क्षेत्र में बाइक चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ताजा मामला बिक्रम सब्जी मंडी का है, जहां खड़ी एक बाइक चोरी हो गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि एक युवक हरे गमछे के साथ बाइक के पास आता है। कुछ देर तक आसपास देखने के बाद, वह बाइक को स्टार्ट करता है और बड़े आराम से बिक्रम की ओर निकल जाता है। पुलिस अब फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

सब्जी खरीदने गए थे, लौटे तो गायब थी बाइकः जानकारी के मुताबिक, गोरखरी गांव निवासी सौरभ कुमार 21 जुलाई की शाम अपनी बाइक से सब्जी खरीदने बिक्रम सब्जी मंडी गए थे। उन्होंने अपनी बाइक मंडी के पास खड़ी की और सब्जी लेने चले गए। जब वे सब्जी लेकर वापस लौटे, तो उनकी बाइक वहां से गायब थी। सौरभ कुमार ने आसपास काफी खोजबीन

की, लेकिन बाइक का कोई पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने स्थानीय थाने में घटना की सूचना दी और लिखित शिकायत दर्ज कराई।

CCTV में कैद हुई पूरी वारदातः घटना को दो दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक पुलिस आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। हालांकि पुलिस का दावा है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

बिक्रम थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया, "बाइक मालिक की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज मिला है। उसके आधार पर आरोपी की पहचान की जा रही है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।"

2024 नीट पेपरलीक के मुख्य आरोपी को क्लीनचिट

एजेंसी, पटना

पेपरलीक पर देशभर में चल रहे आंदोलनों के बीच 2024 NEET-UG के मुख्य आरोपी को क्लीनचिट मिल गई है। CBI ने गुरुवार को मीडिया से कहा कि इस केस में बिहार पुलिस ने संजीव मुखिया को मुख्य आरोपी बनाया था, लेकिन CBI जांच में उसके खिलाफ क्वेश्चन पेपर चुराने, उन्हें लीक करने के सबूत नहीं मिले।

संजीव को इस मामले में जमानत मिल गई है, लेकिन वह अभी जेल में ही रहेगा। उस पर सिपाही बहाली पेपर लीक का भी केस है। CBI ने कहा कि एजेंसी ने इस केस में प्रश्न पत्र की चोरी और उसे बांटने में शामिल हर व्यक्ति की पहचान की। उन कैंडिडेट्स की भी पहचान की जिन्हें, क्वेश्चन पेपर से फायदा हुआ। CBI ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की, इसमें 45 लोगों के नाम

हैं। इस पेपर लीक की शुरुआती जांच बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने की थी। संजीव कुमार उर्फ संजीव मुखिया पर चोरी में शामिल होने का शक हुआ, क्योंकि वह पहले भी प्रश्न पत्र लीक करने के दूसरे मामलों में शामिल था। संजीव मुखिया उस समय फरार चल रहा था। 11 महीने बाद में EOU की टीम ने उसे पहले पेपरलीक केस में गिरफ्तार किया था। बिहार पुलिस ने उसे उस FIR में आरोपी बनाया। EOU ने इस मामले में अपनी एक डिटेल रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंपी थी। इसके बाद जांच CBI को सौंप दी गई थी।

सदन में तेजस्वी यादव की गैरमौजूदगी पर उठ रहे सवाल

कृषि मंत्री ने पूछा- क्या नेता प्रतिपक्ष बीमार हैं, सदन को जानकारी दी जानी चाहिए

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार गायब हैं। सत्र की शुरुआती दिनों से ही वो चर्चा के विषय बन गए हैं। बुधवार को बीजेपी के एक विधायक ने तंज कसते हुए कहा- 'क्या तेजस्वी अमेरिका-ईरान युद्ध में मध्यस्थता करने गए हैं।' गुरुवार को सदन में कृषि मंत्री ने भी पूछा- नेता प्रतिपक्ष कहां है।

कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सदन में विपक्ष के विधायकों से पूछा- आपका नेता कहां हैं। उनकी अनुपस्थिति की जानकारी सदन को क्यों नहीं दी गई। कल मानसून सत्र का अंतिम दिन है, लेकिन पूरे सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष सदन में नजर

नहीं आए।

विजय सिन्हा बोले- सदन को बताना चाहिए, तेजस्वी कहां हैंः सदन की कार्यवाही के दौरान विजय सिन्हा ने कहा कि लोकतंत्र में सदन की गरिमा सर्वोपरि होती है। यदि नेता प्रतिपक्ष किसी कारणवश सदन में उपस्थित नहीं हैं, तो इसकी जानकारी सदन को दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या तेजस्वी यादव बीमार हैं, किसी पारिवारिक कारण से बाहर हैं या किसी अन्य वजह से अनुपस्थित हैं। यह स्पष्ट होना चाहिए। लोकतंत्र में "बंधुआ मजदूर" जैसी मानसिकता खत्म होनी चाहिए और पारदर्शिता बनी रहनी चाहिए।

RJD विधायक ने पलटवार करते हुए पूछा निशांत कहां हैंः विजय सिन्हा के सवाल पर राजद विधायक कुमार सर्वजीत ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग यह भी जानना चाहते हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार कहां हैं। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, 'निशांत कुमार सदन के सदस्य नहीं हैं, जबकि तेजस्वी यादव नेता प्रतिपक्ष हैं और उनकी अनुपस्थिति का सवाल अलग है।'

108 पुड़िया स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार, 50 हजार की ड्रग्स बरामद

एजेंसी, पटना

पटना में पुलिस ने अवैध नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 108 पुड़िया स्मैक, 900 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस अब उसके नेटवर्क और सप्लाई चेन की जांच में जुटी है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भीम कुमार, पिता दीपा राय, के रूप में हुई है। मामले की जानकारी दानापुर-2 के डीएसपी अमरेंद्र कुमार झा ने दी। मामला जिले के बिहटा थाना क्षेत्र का है।

गुप्त सूचना पर हुई छापेमारीः डीएसपी अमरेंद्र कुमार झा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बिहटा थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर टोला में एक युवक स्मैक की बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल छापेमारी की और आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर

लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 108 पुड़िया स्मैक बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, बरामद स्मैक का वजन करीब 32 ग्राम है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा 900 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है।

पहले भी जा चुका है जेलः पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी पहले भी स्मैक तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। प्रारंभिक जांच के अनुसार वह अपने घर से ही नशे का कारोबार

आरोपी घर से चलता था कारोबार, नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

संचालित कर रहा था। पुलिस को इस धंधे में उसके कई अन्य साथियों के शामिल होने की भी जानकारी मिली है। संदिग्ध सहयोगियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

सप्लाई नेटवर्क की जांचः पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी स्मैक कहां से लाता था और किन-किन इलाकों में इसकी आपूर्ति करता था। मोबाइल फोन की जांच के जरिए उसके संपर्कों और पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दरभंगा-कटिहार और बेगूसराय में लाठीचार्ज कलेक्ट्रेट ऑफिस के गेट पर चढ़े प्रदर्शनकारी

एजेंसी, पटना

NEET पेपर लीक रोकने और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर बिहार में गुरुवार को भी छात्रों का प्रदर्शन जारी है। दरभंगा, बेगूसराय और कटिहार में DM ऑफिस के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया। छात्र अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो ईंट-पत्थर चलाए गए। बेगूसराय में प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया। छात्र गेट पर चढ़ गए थे। पुलिस सभी छात्रों से पीछे हटने की अपील की। लेकिन छात्र मानने को तैयार नहीं थे। छात्रों को कंट्रोल करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज किया, ताकि प्रदर्शनकारियों को हटाया जा सके।

वहीं, पटना कॉलेज के पास छात्र फिर सड़कों पर उतरे। अशोक राजपथ पर जाम लगा दिया। छात्रों का कहना है कि धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना ही होगा। थोड़ी देर बाद पुलिस ने छात्रों को डिटेन किया। उन्हें बस में भरकर ले जाया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारी छात्र ने कहा कि जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे, हम लोग पीछे हटने वाले नहीं हैं। पुलिस लोकतंत्र को कुचलना चाहती है। केंद्र सरकार तानाशाही हो गई है, हम लोगों के अधिकारों का दमन कर रही है। हम मोदी सरकार से डरने वाले नहीं हैं। खराब शिक्षा नीति के खिलाफ आवाज नहीं उठा सकते, क्या मतलब है इसका।

लखीसराय में मोदी का पुतला फूंका

शेखपुरा में भी छात्र बैनर-पोस्टर लेकर सड़कों पर उतरे हैं। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है। भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई है। मुंगेर में छात्रों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और जुलूस निकाला। इस दौरान जिला पुलिस बल के दौरान साथ-साथ नजर आए। बेगूसराय में प्रदर्शन के पहले ही वाटर कैनन के साथ पुलिस वालों को तैनात किया गया है। कटिहार में छात्रों ने DM ऑफिस का घेराव किया है। दरभंगा में छात्रों ने निकाला विरोध मार्च, कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शनकारी छात्रों ने किया हंगामा।

मुजफ्फरपुर-भागलपुर समेत 4 जिलों में बारिश, 9 में ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार के कई जिलों का मौसम बदला हुआ है। नालंदा, मुजफ्फरपुर, भागलपुर में तेज बारिश हो रही है। बेगूसराय, पटना समेत कई जिलों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने 9 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जमुई, जहानाबाद, नवादा, नालंदा, पटना, बेगूसराय, मुंगेर, लखीसराय एवं शेखपुरा में शाम 7 बजे तक भारी बारिश का अलर्ट है। इस दौरान 30-40Kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। बिजली गिरने को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है।

25 से 28 जुलाई तक उत्तर बिहार के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 28 जुलाई को पटना, भोजपुर, बक्सर, गोपालगंज, सारण, वैशाली और सीवान समेत कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है बुधवार

को पटना, पूर्णिया, बेगूसराय, खगड़िया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल और जहानाबाद में तेज बारिश हुई। कुछ जिलों में आसमान में बादल छाए रहे। वहीं भोजपुर में ठनका गिरने से 2 समस्तीपुर में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक बारिश मधेपुरा के पुरैनी में 64.2 मिमी हुई। पटना में 2.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। फिलहाल, बिहार में मानसून की रफ्तार कमजोर है।

पटना में डेंगू अलर्ट, 18 इलाके हॉट स्पॉट घोषित

एजेंसी, पटना

पटना में डेंगू के बढ़ते मामलों के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बार डेंगू से बचाव के लिए पहली बार पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (PMCH) में जापान से आई वैक्सीन उपलब्ध होगी। 4 से 60 वर्ष आयु वर्ग के लोगों को दो डोज में यह वैक्सीन दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने जिले के 18 इलाकों को डेंगू संवेदनशील (हॉटस्पॉट) घोषित किया है। इन क्षेत्रों में प्रतिदिन तीन बार फॉगिंग, एंटी-लार्वा छिड़काव और घर-घर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। विभाग का अनुमान है कि बारिश के बाद अगस्त के दूसरे सप्ताह से डेंगू मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी हो सकती है।

PMCH में बनेगा विशेष टीकाकरण केंद्रः PMCH में डेंगू वैक्सीन लगाने के लिए एक विशेष टीकाकरण केंद्र स्थापित किया जाएगा। अस्पताल प्रशासन इसकी तैयारियों में जुट गया है। अस्पताल परिसर में लोगों को वैक्सीन से जुड़ी जानकारी देने के लिए बैनर, पोस्टर और प्रचार सामग्री भी लगाई जाएगी।

निर्देश के मुताबिक, 4 से 60 वर्ष आयु वर्ग के लोगों को 0.5 एमएल की पहली (प्राइमरी) डोज दी जाएगी। इसके बाद तय अंतराल पर दूसरी यानी बूस्टर डोज लगाई जाएगी। दोनों डोज पूरी होने के बाद ही टीकाकरण प्रक्रिया पूर्ण मानी जाएगी।

PMCH के अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने बताया, 'पिछले सात-आठ वर्षों में डेंगू के मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। इसी स्थिति को देखते हुए वैक्सीन की उपलब्धता के साथ-साथ अस्पताल में इलाज की सुविधाओं को भी मजबूत किया जा रहा है।'

पटना सिविल सर्जन कार्यालय ने जिले के 18 इलाकों को डेंगू संवेदनशील घोषित किया है। इनमें बाजार समिति, पाटलिपुत्र, कंकड़बाग,

पीएमसीएच में जापानी वैक्सीन से टीकाकरण, स्वास्थ्य विभाग की तैयारियां पूरी

गर्दनीबाग, राजीवनगर, शास्त्रीनगर, PMCH के आसपास का इलाका, चमारीचक (दानापुर), फुलवारीशरीफ, इंद्रपुरी, कुम्हरार, जक्कनपुर, भागवत नगर, भीखनापहाड़ी, आलमगंज, बांकीपुर, मैनपुरा, महेंद्रू और ट्रांसपोर्ट नगर शामिल हैं। इन सभी क्षेत्रों में प्रतिदिन तीन बार फॉगिंग कराई जाएगी। इसके अलावा मच्छरों के लार्वा को खत्म करने के लिए एंटी-लार्वा दवा का नियमित छिड़काव भी होगा। इसके लिए सिविल सर्जन कार्यालय और पटना नगर निगम के बीच समन्वय स्थापित किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिस इलाके में डेंगू का नया मरीज मिलेगा, वहां तुरंत स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजी जाएगी। टीम प्रभावित क्षेत्र में एंटी-लार्वा छिड़काव कराएगी और आसपास के घरों का सर्वे करेगी। इसके साथ ही लोगों को डेंगू के लक्षण, बचाव और घरों में पानी जमा नहीं होने देने के बारे में जागरूक किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

दस लीटर देसी शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, फरार अभियुक्त भी दबोचा गया

बीएनएम@ मोतिहारी। बीजधरी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 10 लीटर देसी चुलाई शराब एवं एक मोटरसाइकिल के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। वहीं, शराब तस्करी के एक पुराने मामले में फरार चल रहे प्राथमिक अभियुक्त को भी पुलिस ने दबोच लिया है। बीजधरी थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर की पहचान सब्बू सहनी, पिता बलदेव सहनी, निवासी ढेकहा वार्ड संख्या-9, थाना केसरिया, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। उसके कब्जे से 10 लीटर देसी चुलाई शराब तथा शराब ढुलाई में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। इस संबंध में बीजधरी थाना कांड संख्या 89/26, दिनांक 22 जुलाई 2026 के तहत धारा 30(अ)/41, बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2022 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि दूसरी कार्रवाई में बीजधरी थाना कांड संख्या 59/26, दिनांक 25 अप्रैल 2026, धारा 30(अ), बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2022 के फरार प्राथमिक अभियुक्त अमन कुमार, पिता कुलदेव रावत, निवासी माधोपुर हजारी, थाना साहेबगंज, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों आरोपितों के विरुद्ध अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा शराब कारोबारियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

25 जुलाई तक स्नातक चौथी मेरिट सूची के आधार पर नामांकन, अब तक 84 छात्रों ने कराया प्रवेश

बीएनएम@ मोतिहारी। बी.आर अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक सत्र 2026-30 में जारी चौथी मेरिट सूची के आधार पर नामांकन की अंतिम तिथि 25 जुलाई निर्धारित की गई है। शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय में नामांकन प्रक्रिया जारी है।महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से इस महाविद्यालय में नामांकन के लिए 399 छात्र-छात्राओं की सूची भेजी गई है। 23 जुलाई तक कला संकाय में 65 एवं विज्ञान संकाय में 19, कुल 84 छात्र-छात्राओं ने नामांकन कराया है। उन्होंने बताया कि छात्र-छात्राओं को पहले ऑनलाइन माध्यम से निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। इसके बाद आवश्यक शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों का महाविद्यालय में सत्यापन कराकर उन्हें नामांकन काउंटर पर जमा करना अनिवार्य है। महाविद्यालय प्रशासन ने सभी चयनित अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि के भीतर नामांकन की प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

मठलोहियार में विवाहिता की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

बीएनएम@ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र की मठलोहियार पंचायत में गुरुवार की सुबह एक विवाहिता की संदिग्ध मौत हो गई। उसका शव ससुराल स्थित घर से बरामद हुआ। घटना के बाद मृतका के मायके पक्ष ने हत्या कर साक्ष्य छिपाने की नीयत से शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाते हुए हरसिद्धि थाना में आवेदन दिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया। मृतका की पहचान मनोरमा देवी के रूप में हुई है। मृतका की मां विद्यार्थी देवी ने बताया कि गुरुवार सुबह ससुराल पक्ष से फोन कर बेटी की तबीयत खराब होने की सूचना दी गई। जब वे परिजनों के साथ मठलोहियार पहुंचे तो मनोरमा देवी का शव घर में पड़ा मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि बेटी के गले पर कई निशान थे। मृतका के पिता विनोद पंडित, निवासी विशंभर अमोदेई पंचायत, थाना रामगढ़वा ने थाने में दिए आवेदन में पांच लोगों को नामजद आरोपित बनाया है। उन्होंने बताया कि करीब दस वर्ष पूर्व मनोरमा देवी की शादी मठलोहियार पंचायत के वार्ड संख्या-1 निवासी मुन्ना पंडित से हुई थी। विवाह के बाद से ही उसे प्रताड़ित किया जाता था। इसको लेकर कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। प्रभारी थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि मृतका के परिजनों से लिखित आवेदन मिला है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

एलएनडी कॉलेज में एईडीपी कोर्स में नामांकन 27 जुलाई तक, खाली सीटों पर 'पहले आओ-पहले पाओ' का मौका

बीएनएम@ मोतिहारी: जिले के छात्र-छात्राओं के लिए अच्छी खबर है। मोतिहारी शहर स्थित एल.एन दूबे कॉलेज में अप्रेंटिसशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) के तहत नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी मेरिट सूची के आधार पर 27 जुलाई तक छात्र-छात्राओं का नामांकन किया जाएगा। संवाद प्रेषित करते महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि इस सत्र से कला संकाय में बीए इन कंटेंट एंड क्रिएटिव राइटिंग तथा वाणिज्य संकाय में बीकॉम इन बैंकिंग, फाइनेंस, सर्विस एंड इंश्योरेंस पाठ्यक्रमों की पढ़ाई प्रारंभ होगी। उन्होंने बताया कि एईडीपी कोर्स उच्च शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के कौशल विकास पर भी केंद्रित है। इस कोर्स को पूरा करने के बाद विद्यार्थी रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ उच्च शिक्षा के लिए भी पात्र होंगे। वहीं, कोर्स के तीसरे वर्ष में विद्यार्थियों को सरकार की ओर से छात्रवृत्ति का लाभ भी मिलेगा। डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि मेरिट सूची के अतिरिक्त रिक्त सीटों पर 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर भी नामांकन लिया जाएगा। इच्छुक छात्र-छात्राएं महाविद्यालय परिसर में ही आवेदन कर नामांकन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

डीआईजी के जांच आदेश के बाद आधी रात पुलिस की दबिश का आरोप, पीड़ित परिवार हाईकोर्ट पहुंचा; थानाध्यक्ष के नाम पर रिश्वत मांगने का भी दावा

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। बंजरिया थाना प्रभारी पर भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और भूमि विवाद में पक्षपात के आरोपों की जांच का आदेश डीआईजी द्वारा दिए जाने के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि बुधवार को जैसे ही शमशेर आलम सैफी की पत्नी ने चंपारण प्रक्षेत्र के डीआईजी हरकिशोर राय से मुलाकात कर अपनी शिकायत रखी और डीआईजी ने मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात को पूरे मामले की जांच का निर्देश दिया, उसी रात बंजरिया थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ शमशेर आलम के घर पहुंच गए।

परिवार का आरोप है कि बिना किसी सर्च वारंट के पुलिस ने पूरे घर को घेर लिया और घर में घुसकर शमशेर आलम, इजहार अंसारी सहित अन्य लोगों की तलाश करने लगी। इस दौरान परिजनों के साथ अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज किए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

पीड़ित पक्ष का कहना है कि पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है। घटना के बाद परिवार ने अपनी सुरक्षा और न्याय की मांग को लेकर पटना हाईकोर्ट का रुख कर लिया है।

दूसरी ओर, पीड़ित परिवार ने एक और गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि राजन प्रसाद नामक व्यक्ति बंजरिया थाना प्रभारी के नाम पर प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए रुपये की मांग कर रहा है।

दावा है कि यही व्यक्ति पूर्व में भी एक दूसरे मामले में पीड़ित परिवारों से सात लाख रुपये की मांग कर चुका है, जिसका कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

उस मामले में पीड़ितों ने मीडिया और वरीय अधिकारियों के समक्ष बयान भी दिया था।

आरोप है कि उक्त मामले मे रुपये नहीं देने पर एक व्यक्ति को झूठे मुकदमे में जेल भेज दिया गया, जबकि पूरे प्रकरण की जानकारी उच्च अधिकारियों को दिए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी ।

उल्लेखनीय है कि डीआईजी हरकिशोर राय ने बंजरिया थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह पर लगे भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग, भूमि माफियाओं से मिलीभगत तथा गोपनीय पर्यवेक्षण (सुपरविजन) रिपोर्ट लीक होने के आरोपों की जांच का आदेश एसपी को दिया है। साथ ही गोपनीय पेर्वेक्षण रिपोर्ट शिकायतकर्ता तक कैसे पहुंची, इसकी भी जांच कर जिम्मेदारी तय करने का निर्देश दिया गया है।

मामले मे थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह पर आरोप है की वे झूठे मुकदमे दायर कर रूपये वसूलते है। भू माफियाओ के प्रभाव मे पीड़ितों के आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं करते है। शमशेर आलम वगैरह पर दर्ज इसी मामले का एक झूठे मुकदमे को असत्य करते हुए मोतिहारी सदर के पुलिस उपाधिक्षक दिलीप कुमार ने अपनी लिखित टिप्पणी दी थी कि बनजरिया थानाध्यक्ष अभियुक्तों को लाभ पहुँचाने की नियत से पीड़ितों पर झूठे मुकदमे दर्ज करते है।

लेकिन इस मुकदमे के असत्य होने और शमशेर अहमद के मुकदमे को सत्य करते ही भू माफिया आक्रोश मे शमशेर अहमद के एक घर को तोड़ दिया. रोकने गयी शमशेर की पत्नी के साथ बुरी तरह मार पिट करने की प्राथमिकी वरीय आधिकारियों के आदेश के बाद भी थानाध्यक्ष द्वारा नहीं ली गयी, उलटे फिर एक दूसरे झूठे मुकदमे मे सबको फंसा दिया गया । परिवार इस पुलीसिया अत्याचार से दहशत मे है और गिरफ़्तारी के डर से फरार है। थानाध्यक्ष अपने उपर लगे आरोपों पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां तेज, गांधी मैदान में होगा मुख्य समारोह; डीएम ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

आगामी 15 अगस्त को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में समारोह के सफल एवं भव्य आयोजन के लिए सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि 15 अगस्त 2026 को सुबह 9 बजे मोतिहारी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में मुख्य समारोह आयोजित होगा, जहां जिला प्रभारी मंत्री ध्वजारोहण करेंगे। समारोह स्थल की साफ-सफाई, रंग-रोगन, बैरिकेडिंग तथा बरसात को देखते हुए परेड मार्ग को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए। समाहरणालय परिसर एवं शहर के प्रमुख मार्गों की स्वच्छता सुनिश्चित करने को भी कहा गया। नगर निगम को शहर में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई, रंग-रोगन एवं अन्य आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने का निर्देश दिया गया। गांधी मैदान स्थित महात्मा गांधी तथा समाहरणालय परिसर स्थित बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण की व्यवस्था की जिम्मेदारी जिला नजारत शाखा को सौंपी गई। बैठक में परेड की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने फुल ड्रेस रिहर्सल स्वतंत्रता दिवस से एक-दो दिन पूर्व कराने का निर्देश दिया। साथ ही महादलित टोलों में बुजुर्गों के माध्यम से ध्वजारोहण कराने तथा वहां सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को नामित करने के निर्देश दिए गए। स्वतंत्रता दिवस समारोह का लाइव प्रसारण जिला प्रशासन के फेसबुक पेज, सोशल मीडिया एवं वेबकास्ट के माध्यम से कराने की जिम्मेदारी जिला जनसंपर्क पदाधिकारी एवं जिला आईटी प्रबंधक को दी गई। इसके अलावा, 15 अगस्त की शाम 5 बजे महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित होने वाली सांस्कृतिक संध्या की तैयारियों को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में सरकारी, निजी एवं कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे, जिनका चयन जिला चयन समिति द्वारा किया जाएगा। बैठक में उप महापौर लालबाबू प्रसाद गुप्ता, नगर आयुक्त आशीष कुमार, सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा, अपर समाहर्ता शैलेन्द्र कुमार भारती, सदर एसडीओ अरुण कुमार, डीसीएलआर इति चतुर्वेदी, वरीय उप समाहर्ता निधि, एनडीसी प्रेमलता, ओएसडी अमरेश कुमार, डीआरडीए निदेशक, शिक्षा विभाग के अधिकारी, भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता, स्काउट एंड गाइड के जिला आयुक्त, पुलिस कमांडेंट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, 6 हजार इंजेक्शन जब्त

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण पुलिस ने नशीले इंजेक्शन की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर थाना क्षेत्र से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से कुल 6,000 प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन, एक मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 22 जुलाई की रात गुप्त सूचना मिली थी कि नगर थाना क्षेत्र के जमला रोड स्थित माँ पटने देवी कार्गो सर्विसेज के रास्ते एक व्यक्ति काले रंग की अपाचे मोटरसाइकिल (BR05BS-0699) से नशीले इंजेक्शन लेकर रक्सौल की ओर जाने वाला है। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1 के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने रमेश महतो (पिता–देवशरण महतो, निवासी नोनियाडीह, थाना रक्सौल) तथा गुरुडु कुमार (पिता–दोना साह, निवासी पचपकड़िया, थाना मेहसी) को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने NRxTOPGESIC, PHENAGAN और DIAZEPAM ब्रांड के कुल 6,000 नशीले इंजेक्शन बरामद किए। इसके अलावा एक अपाचे मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। इस मामले में नगर थाना कांड संख्या 669/26 दर्ज कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ की जा रही है तथा नशीले इंजेक्शनों के नेटवर्क और इसके अन्य सदस्यों की पहचान के लिए आगे की कार्रवाई जारी है।

साढ़े तीन साल बाद भी ठंडे बस्ते में निलंबन की अनुशंसा! उप विकास आयुक्त कार्यालय में धूल फांक रही फाइल, कार्रवाई पर उठे सवाल

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण शिक्षा विभाग से जुड़ा एक पुराना मामला एक बार फिर चर्चा में है। वर्ष 2023 में तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार द्वारा एक शिक्षिका के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई और निलंबन की अनुशंसा किए जाने के बावजूद आज तक उस पर कोई अंतिम कार्रवाई नहीं हो सकी है। आरोप है कि पूरी फाइल उप विकास आयुक्त (डीडीसी) कार्यालय में वर्षों से धूल फांक रही है। उपलब्ध आधिकारिक पत्र के अनुसार, तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार ने 3 जनवरी 2023 को मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद को पत्र भेजकर श्रीमती रेखा कुमारी, जिला परिषद माध्यमिक शिक्षिका, विष्णु प्रसाद उच्च विद्यालय, मधुबन के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की थी। पत्र में उल्लेख किया गया है कि विद्यालय निरीक्षण, जांच रिपोर्ट और वायरल ऑडियो के आधार पर शिक्षिका पर विभागीय निर्देशों की अवहेलना, शिक्षकों को भड़काने, विद्यालय की अनुशासन व्यवस्था प्रभावित करने, विभाग की छवि धूमिल करने तथा प्रभारी प्रधानाध्यापक को झूठे मामले में फंसाने की कथित कोशिश जैसे गंभीर आरोप पाए गए थे। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने इन तथ्यों के आधार पर सेवा शर्त नियमावली के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की थी। हैरानी की बात यह है कि इस आदेश के बाद भी करीब साढ़े तीन वर्ष बीत जाने के बावजूद मामले में कोई अंतिम निर्णय सामने नहीं आया। सूत्रों का दावा है कि संबंधित फाइल आज भी उप विकास आयुक्त कार्यालय में लंबित पड़ी है और उस पर कार्रवाई नहीं हुई है। इसी बीच गंभीर आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि उप विकास आयुक्त कार्यालय के एक कर्मी ने कथित रूप से मोटी रकम लेकर फाइल को मैनेज कर दिया, जिसके कारण अनुशासनात्मक कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी। हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है और न ही संबंधित अधिकारी या कर्मचारी का पक्ष सामने आया है। अब सवाल यह उठ रहा है कि जब जिला शिक्षा पदाधिकारी ने जांच के आधार पर कार्रवाई की स्पष्ट अनुशंसा कर दी थी, तो आखिर फाइल वर्षों तक लंबित क्यों रही? क्या प्रशासन इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय करेगा, या फिर यह मामला भी सरकारी फाइलों में दबकर रह जाएगा?

नवनिर्मित पुस्तकालय कक्ष का उद्घाटन

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड के खोताहवा पकड़ीयहवा 10+2 उच्च विद्यालय में बुधवार की शाम नवनिर्मित पुस्तकालय कक्ष का भव्य उद्घाटन किया गया। मधुबनी प्रखंड प्रमुख सह भाजपा नेत्री विजया सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि फीता काटकर इसका शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पुस्तकालय विद्यार्थियों के बौद्धिक और नैतिक विकास का मुख्य केंद्र होते हैं, इसलिए छात्रों को इसका नियमित उपयोग कर प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी में इसका लाभ उठाना चाहिए।विद्यालय के प्रधानाध्यापक नागेन्द्र मिश्रा ने कहा कि पुस्तकालय किसी भी शैक्षणिक संस्थान की आत्मा होता है। इसके शुरू होने से बच्चों को पाठ्यपुस्तकों के साथ-साथ विज्ञान, इतिहास, साहित्य और सामान्य ज्ञान की पुस्तकें पढ़ने का अवसर मिलेगा, जिससे उनमें पठन-पाठन की आदत और जिज्ञासा विकसित होगी। कार्यक्रम में शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी, छात्र-छात्राएं, अभिभावक और क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए रामगढ़वा पुलिस का फ्लैग मार्च, असामाजिक तत्वों को दी सख्त चेतावनी

बीएनएम@ रामगढ़वा

देश और राज्य में हाल के दिनों में सामने आ रही विभिन्न गतिविधियों और प्रदर्शनों के मद्देनजर रामगढ़वा पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को व्यापक फ्लैग मार्च निकाला। इसका उद्देश्य आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम करना तथा किसी भी संभावित अप्रिय घटना पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखना था। फ्लैग मार्च का नेतृत्व रामगढ़वा थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर ने किया। उनके साथ एसआई अमरजीत कुमार, मनीष कुमार, राधेश्याम यादव, मल्लेश्वर यादव, धर्मेंद्र कुमार, मानेश्वर सिंह, चौकीदार सोनू यादव, संजय कुमार सहित बड़ी संख्या में सशस्त्र पुलिस बल के जवान मौजूद रहे। फ्लैग मार्च थाना परिसर से शुरू होकर रामजानकी मंदिर, शंकर मंदिर, मल्लेश्वरी चौक, काली मंदिर चौक, रामगढ़वा मेन रोड, हनुमान मंदिर और गोला रोड सहित शहर के प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील क्षेत्रों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस ने बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल गश्त भी की तथा लोगों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर ने कहा कि आम नागरिकों की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कानून का पालन करने वाले लोगों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने या अफवाह फैलाने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने बताया कि क्षेत्र में लगातार गश्त बढ़ा दी गई है और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि रामगढ़वा थाना क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सामान्य जनजीवन पूरी तरह कायम रहे।

डीएम की अध्यक्षता में माय भारत जिला सलाहकार समिति की बैठक, 2.41 लाख युवा पंजीकरण लक्ष्य समय पर पूरा करने के निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण के जिला पदाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय परिसर स्थित राधाकृष्ण भवन में माय भारत जिला सलाहकार समिति (डीएसी) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने भाग लिया और माय भारत कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विभागीय समन्वय को मजबूत बनाने पर चर्चा की। बैठक की शुरुआत जिला युवा अधिकारी (माय भारत) अंकिता ने जिला पदाधिकारी एवं उपस्थित सदस्यों के स्वागत से की। उन्होंने माय भारत की अवधारणा, उद्देश्य, प्रमुख कार्यक्रमों और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तृत प्रस्तुति दी। साथ ही जिला सलाहकार समिति (डीएसी) एवं जिला समन्वय समिति (डीएससी) की कार्यप्रणाली और जिले में युवा कार्यक्रमों के बेहतर नियोजन, क्रियान्वयन तथा अनुश्रवण पर प्रकाश डाला।बैठक में जिला पदाधिकारी ने सभी विभागों को माय भारत के साथ समन्वय स्थापित कर विद्यालयों, महाविद्यालयों, पंचायतों, युवा क्लबों, एनएसएस, एनसीसी एवं अन्य संस्थानों के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान माय भारत पंजीकरण अभियान की समीक्षा करते हुए डीएम ने पूर्वी चंपारण के 2.41 लाख युवाओं के पंजीकरण लक्ष्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए सभी विभागों से सक्रिय सहयोग और व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। बैठक में उपस्थित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों ने माय भारत की गतिविधियों के सफल संचालन और युवाओं की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त समाचार

बड़े भाई ने की छोटे भाई की चाकू मारकर हत्या

आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@ बेतिया: बैरिया थाना क्षेत्र के हाट सरैया वार्ड संख्या-3 में गुरुवार सुबह बाइक को लेकर हुए विवाद में बड़े भाई ने अपने 18 वर्षीय छोटे भाई इब्राहिम मियां की चाकू मारकर हत्या कर दी। मृतक रामतुल्लाह मियां का पुत्र था और बाइक मिस्त्री का काम करता था। जानकारी के अनुसार, दोनों भाइयों के बीच कहासुनी के बाद हुई हिंसक झड़प में बड़े भाई असलम मियां ने इब्राहिम के गले पर चाकू से वार कर दिया।गंभीर रूप से घायल इब्राहिम को जीएमसीएच, बेतिया ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही बैरिया थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर आरोपी असलम मियां को गिरफ्तार कर लिया और हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया। एसडीपीओ रजनीश कांत प्रियदर्शी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है तथा मामले की जांच जारी है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और तनाव का माहौल है।

स्वास्थ्य कर्मियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति का विरोध

एटक ने सीएमओ को सौंपा मांग पत्र

बीएनएम@ बेतिया। पश्चिम चंपारण में स्वास्थ्य विभाग के फील्ड वर्करों और संविदा कर्मियों के लिए लागू की गई बायोमेट्रिक उपस्थिति व्यवस्था का विरोध शुरू हो गया है। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश क्रांति ने मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (सीएमओ) और जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) को मांग पत्र सौंपकर इस व्यवस्था पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।ओम प्रकाश क्रांति ने कहा कि फील्ड कर्मियों को प्रतिदिन 20 से 25 किलोमीटर दूर पीएचसी जाकर हाजिरी लगानी होगी, जिससे समय, संसाधन और स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। उन्होंने महिला कर्मियों की सुरक्षा और लंबी दूरी की समस्याओं को भी गंभीर बताया। एटक ने फील्ड वर्करों को इस अनिवार्यता से मुक्त कर वैकल्पिक व्यवस्था लागू करने की मांग की है, और मांग पूरी न होने पर डीएम से हस्तक्षेप की चेतावनी दी है।

कांग्रेस आश्रम में 'अति पिछड़ा न्याय संकल्प' कार्यक्रम आयोजित

आरक्षण और अधिकारों की उठी मांग

बीएनएम@ शेखपुरा. जिला कांग्रेस आश्रम में गुरुवार को पिछड़ा जिला अध्यक्ष पप्पू राज मंडल की अध्यक्षता में 'अति पिछड़ा न्याय संकल्प' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता इंजीनियर कमलेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष आनंदी कुमार यादव और वरिष्ठ नेता जितेंद्र नाथ पटेल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और अति पिछड़ा समाज के लोग मौजूद रहे।इंजीनियर कमलेश कुमार ने कहा कि कांग्रेस हमेशा सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष करती है। उन्होंने घोषणा की कि कांग्रेस की सरकार बनने पर अति पिछड़ों पर अत्याचार रोकने के लिए सख्त कानून बनेगा और 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा समाप्त की जाएगी। साथ ही, पंचायत व नगर निकायों में आरक्षण 20 से बढ़ाकर 30 प्रतिशत करने, सरकारी नौकरियों में पारदर्शी भर्ती, सरकारी ठेकों में आरक्षण, आवासीय भूमि की गारंटी और निजी विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा जैसे वादे किए गए। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से इस संकल्प को घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया।

मछली बेचने को लेकर खूनी संघर्ष, तीन घायल

स्टंप और डंडों से हमला कर किया घायल

बीएनएम@ शेखपुरा. नगर थाना क्षेत्र में सदर अस्पताल के सामने मछली बेचने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में एक पक्ष के लोगों ने क्रिकेट के स्टंप और डंडों से हमला कर तीन लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया।सूचना मिलते ही सब इंस्पेक्टर कुमारी शुभम सिन्हा और अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची,

जिसके बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने घटनास्थल से क्रिकेट का स्टंप और डंडा बरामद किया है। घायलों की पहचान लखीसराय जिले के वीरपुर थाना क्षेत्र के जानपुर गांव निवासी धीरज कुमार, बबलू कुमार और सुझाबलपुर निवासी मुकेश सहनी के रूप में हुई है, जिनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। घायलों के अनुसार अजय महतो, मोनू महतो और काली महतो ने उनके साथ मारपीट की थी। पुलिस ने बताया कि लिखित शिकायत मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दो बाइकों की टक्कर, तीन घायल

बीएनएम@ शेखपुरा. घाटकुसुम्भा प्रखंड के भानपुर गांव के समीप दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोग घायल हो गए। हादसे में अबगील गांव निवासी बेचन तांती गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें शेखपुरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां

उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। वह किसी काम से घाटकुसुम्भा गए थे और लौटने के दौरान यह हादसा हुआ। टक्कर के बाद दूसरी बाइक पर सवार दो अन्य युवक भी घायल हो गए, जिनका इलाज बड़हिया के एक निजी क्लिनिक में चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिहार विधानसभा: आकस्मिक निधि से 3,662 करोड़ की निकासी पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में तीखी बहस

राज्य की आर्थिक स्थिति पूरी तरह मजबूत : वित्त मंत्री

विकास कार्यों की गति पर मानसून सत्र के चौथे दिन हुआ जोरदार हंगामा

» ठेकेदारों के 50,000 करोड़ के लंबित बिलों और पेंशन भुगतान को लेकर गरमाया माहौल

बीएनएम@ पटना

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र में गुरुवार को राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। आकस्मिक निधि (कंटिजेंसी फंड) से 3,662 करोड़ की निकासी के मुद्दे पर विपक्ष ने सरकार को घेरा, जबकि वित्त मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राज्य की आर्थिक स्थिति पूरी तरह मजबूत है और धन की कोई कमी नहीं है।सदन में विपक्ष ने सवाल उठाया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन के मई से जुलाई 2026 तक के भुगतान के लिए आकस्मिक निधि से राशि क्यों निकाली गई। राजद के नेताओं ने इसे राज्य में संभावित वित्तीय संकट का संकेत बताते हुए सरकार की वित्तीय व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। राजद विधायक कुमार सर्वजीत ने चर्चा के दौरान आरोप लगाया कि राज्य सरकार पर ठेकेदारों का भारी बकाया है। उन्होंने बिहार कॉन्ट्रैक्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन (बीसीडब्ल्यूए) का हवाला देते हुए कहा कि विभिन्न विभागों पर ठेकेदारों के 50,000 करोड़ से अधिक के बिल लंबित हैं, जो अक्टूबर 2025 से भुगतान की प्रतीक्षा में हैं। उन्होंने दावा किया कि भुगतान नहीं होने से कई विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और ठेकेदार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।वित्त मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि आकस्मिक निधि से धन निकासी पूरी तरह वैधानिक प्रक्रिया के तहत की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कंटिजेंसी फंड का उपयोग अस्थायी और तात्कालिक वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाता है तथा बाद में इसकी भरपाई नियमानुसार कर दी जाती है। सरकार ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए दावा किया कि बिहार की आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है और विकास कार्य बिना किसी बाधा के जारी हैं।

नेता प्रतिपक्ष की गैरमौजूदगी पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में तीखी नोकझोंक

» बिहार विधानसभा मानसून सत्र

बीएनएम@ पटना

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की लगातार अनुपस्थिति को लेकर सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। कृषि मंत्री विजय सिन्हा ने सदन में सवाल उठाया कि नेता प्रतिपक्ष आखिर कहां हैं और उनकी गैरमौजूदगी की आधिकारिक जानकारी सदन को दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मजबूत विपक्ष की अहम भूमिका होती है, ऐसे में उनका सदन से लगातार गायब रहना चिंता का विषय है।सत्ता पक्ष के इस तीखे तेवर पर राजद के मुख्य सचेतक कुमार सर्वजीत ने पलटवार करते हुए मंत्रियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए, हालांकि उन्होंने तेजस्वी यादव की अनुपस्थिति का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया। इस दौरान हस्तक्षेप करते हुए विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने स्पष्ट किया कि अन्य मंत्री सदन में लगातार उपस्थित हैं।बता दें कि मानसून सत्र शुरू होने के बाद से तेजस्वी यादव एक दिन भी सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं हुए हैं। राजनीतिक गलियारों में उनके यूरोप यात्रा पर होने की चर्चा है, लेकिन राजद की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जनहित के महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष की अनुपस्थिति अब सियासी गलियारों में एक बड़ा मुद्दा बन गई है।

ट्रांसफार्मर की चपेट में आने से मवेशी की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

बीएनएम@ बगहा : बगहा पुलिस जिला के नदी थाना क्षेत्र स्थित नैनहा गांव में गुरुवार की सुबह ट्रांसफार्मर की चपेट में आने से एक भैंस की दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी शर्मा यादव की भैंस पास में ही घास चर रही थी, तभी वह विद्युत ट्रांसफार्मर के संपर्क में आ गई। करंट प्रवाहित होने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जिससे पशुपालक परिवार में शोक का माहौल है।घटना के बाद ग्रामीणों में बिजली विभाग की कार्यशैली के खिलाफ भारी नाराजगी देखी गई। ग्रामीणों का आरोप है कि ट्रांसफार्मर के आसपास सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं हैं। सूचना मिलने पर पशुपालन विभाग की टीम ने पहुंचकर मृत भैंस का पोस्टमार्टम कराया। बिजली विभाग के जेई आदित्य राज ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पशुपालक को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। ग्रामीणों ने भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए विद्युत उपकरणों की सुरक्षा दुरुस्त करने की मांग की है।

डीएम ने किया रविदास और विषहरी टोला का निरीक्षण

पलायन रोकने और रोजगार सृजन पर जोर

बीएनएम@ शेखपुरा

जिला पदाधिकारी शेखर आनंद ने चेवाड़ा प्रखंड की चक्रदरा पंचायत के रविदास और विषहरी टोला का निरीक्षण कर ग्रामीणों की समस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर डोर-टू-डोर सर्वे कर मूलभूत समस्याओं को चिन्हित किया और अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। ग्रामीणों द्वारा रोजगार के अभाव में ईंट-भट्ठों पर पलायन करने की बात पर डीएम ने स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर विकसित करने, कृषि फार्म शुरू करने, महिलाओं को जीविका से जोड़ने तथा युवतियों के लिए सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र खोलने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान रूबी और पिंकी ने पुलिस भर्ती के लिए रनिंग ट्रैक और बच्चियों ने पिंक bus चलाने की मांग की, जिस पर डीएम ने सकारात्मक पहल का भरोसा दिया। साथ ही पक्की नाली-गली, आवास योजना, राशन कार्ड निर्माण और गांव में सहयोग शिविर लगाने के निर्देश दिए गए।

पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष की छठी पुण्यतिथि पर गया में उमड़ा जनसैलाब

» विधायक मनोरमा देवी हुईं भावुक

बीएनएम@ गयाजी

पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष एवं समाजसेवी स्वर्गीय बिंदेश्वरी प्रसाद यादव उर्फ बिंदी यादव की छठी पुण्यतिथि पर गुरुवार को गया जिला परिषद कार्यालय परिसर श्रद्धा, सम्मान और भावनाओं का केंद्र बन गया। उनकी आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, समर्थकों और विभिन्न जिलों से आए लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा।इस अवसर पर उनकी पत्नी एवं बेलागंज की विधायक मनोरमा देवी ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वह भावुक हो गईं और कहा कि स्वर्गीय बिंदी यादव का पूरा जीवन समाज और जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए समर्पित था। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान उनके पति का असामयिक निधन पूरे क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति थी, और आज उन्हें जो भी सम्मान मिला है, उसमें उनके संघर्ष और जनता के विश्वास की बड़ी भूमिका है।कार्यक्रम में स्वर्गीय बिंदी यादव के पुत्र रॉकी यादव और जैकी यादव ने भी अपने पिता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान जिला परिषद अध्यक्ष नैना कुमारी, उपाध्यक्ष शीतल यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न जिलों से आए समर्थक मौजूद रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

निःशुल्क कैंसर जांच शिविर, 70 लोगों की हुई स्क्रीनिंग

बीएनएम@ समस्तीपुर

मोहिउद्दीन नगर प्रखंड क्षेत्र के अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र, पतसिया में गुरुवार को निःशुल्क कैंसर जांच एवं स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 70 लोगों की जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्तन, मुंह और सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग कर लोगों को जागरूक रहने की सलाह दी।यह शिविर एसबीआई फाउंडेशन, सवेरा कैंसर हॉस्पिटल पटना और आर.एस. मेमोरियल कैंसर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में लगाया गया। सवेरा कैंसर हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. वी.पी. सिंह ने बताया कि "सवेरा चला गांव की ओर" अभियान के तहत अब तक 15 हजार से अधिक लोगों की जांच हो चुकी है और 100 से अधिक मरीजों का निःशुल्क इलाज कराया गया है।शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी श्याम मेहरा, डॉ. रबीश्वर, डॉ. जया भारती और डॉ. नरगिस सहित कई स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए ऐसे शिविरों को निरंतर आयोजित करने की मांग की।

स्काउट-गाइड शिविर के तीसरे दिन स्वच्छता और पौधारोपण अभियान चलाया गया

बीएनएम@ समस्तीपुर

समस्तीपुर में भारत स्काउट एवं गाइड के तत्वावधान में बी.आर.बी. उच्च विद्यालय, अंदौर में आयोजित पाँच दिवसीय प्रथम सोपान प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन गुरुवार को स्वच्छता एवं पौधारोपण अभियान चलाया गया। स्काउट-गाइड स्वयंसेवकों ने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया और पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।शिविर का संचालन प्रशिक्षक अमन कुमार झा द्वारा किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रधानाध्यापक संजय कुमार के संरक्षण तथा शिविर प्रधान स्काउट मास्टर दिनेश कुमार के नेतृत्व में आयोजित हुआ। प्रशिक्षक अमन कुमार झा ने कहा कि इस आंदोलन का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना है।इस दौरान स्वयंसेवकों अदूत आनंद, सुप्रिया महिवाल और साक्षी समेत अन्य छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षक मुकुंद कुमार, विजय कुमार और रोहित रंजन कुमार भी उपस्थित रहकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते दिखे। विद्यालय परिवार ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे नैतिक और पर्यावरणीय विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया।

ताजपुर प्रखंड और अंचल कार्यालय घेराव की तैयारी तेज

राशनकार्ड रद करने और भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार

बीएनएम@ समस्तीपुर

मोतीपुर गांव में खेग्रामस के पांच दिवसीय विशेष सदस्यता अभियान के समापन अवसर पर आयोजित सभा में भाकपा (माले) नेताओं ने बंद राशनकार्डों को पुनः चालू करने और बिना जांच राशनकार्ड रद्द करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि राशनकार्ड में नाम जोड़ने के नाम पर गरीबों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है और कुछ समय राशन देने के बाद कार्ड रद्द कर दिए जाते हैं।इस दौरान करीब 600 नए सदस्यों को संगठन से जोड़ा गया। नेताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में आवास कर वापस लेने, मनरेगा अनियमितताओं की जांच कराने, जर्जर सड़कों का निर्माण करने और गरीबों को वासभूमि का पर्चा व आवास उपलब्ध कराने की मांग की। इन विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर 25 जुलाई को ताजपुर प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के घेराव का आह्वान किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों से शामिल होने की अपील की गई है। कार्यक्रम का नेतृत्व सुरेंद्र प्रसाद सिंह, ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह, राजदेव प्रसाद सिंह और ललन दास ने संयुक्त रूप से किया।

नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक के विरोध में छात्राओं ने निकाला मार्च, सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

बीएनएम@ शेखपुरा. नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और गड़बड़ी के विरोध में गुरुवार को छात्राओं ने शहर में जोरदार प्रदर्शन किया। छात्राओं ने कच्ची रोड से दल्लू चौक तक शांतिपूर्ण मार्च निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस प्रदर्शन को राजद के छात्र नेताओं का भी पूरा समर्थन मिला। प्रदर्शनकारी छात्राओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि परीक्षा में अनियमितताओं ने लाखों युवाओं के भविष्य को अधर में डाल दिया है।छात्राओं ने आरोप लगाया कि परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने में सरकार पूरी तरह विफल रही है। इसके साथ ही उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग और अभद्र व्यवहार किए जाने की कड़ी निंदा की। उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। छात्राओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

रेल मंडल कार्यालय में सीबीआई की अचानक छापेमारी

» एपीओ और हेड क्लर्क हिरासत में

बीएनएम@ समस्तीपुर

रेल मंडल कार्यालय में गुरुवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने कार्मिक विभाग में अचानक छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी (एपीओ) अरुण मंडल और कार्मिक विभाग के हेड क्लर्क अमृत कुमार को पूछताछ के लिए अपने कब्जे में ले लिया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 12:30 बजे चार सदस्यीय सीबीआई टीम ने कार्यालय पहुंचकर पहले एपीओ अरुण मंडल से पूछताछ की और फिर उन्हें हेड क्लर्क अमृत कुमार के पास ले गई। दोनों अधिकारियों को रेलवे अधिकारी क्लब के एक कमरे में रखकर लंबी पूछताछ की गई।इस अचानक हुई कार्रवाई से रेल मंडल कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, सीबीआई द्वारा यह कार्रवाई किस मामले और किन आरोपों के तहत की गई है, इसका अब तक कोई आधिकारिक खुलासा नहीं हुआ है। रेलवे अधिकारी और कर्मचारी भी इस पर कुछ बोलने से बच रहे हैं। आधिकारिक बयान सामने आने के बाद ही इस पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट तस्वीर सामने आ सकेगी।

बाल्डविन अकादमी के छात्रों का शानदार प्रदर्शन, टॉपर अनुष्का झा को मिला मैकबुक

बीएनएम@ पटना: पटना के बाल्डविन अकादमी के विद्यार्थियों ने सीबीएसई कक्षा 10 की इम्प्रूवमेंट परीक्षा 2026 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। इस परीक्षा में 33 छात्रों के अंकों में बढ़ोतरी हुई, जिससे विद्यालय का कुल सफल परिणाम 217 से बढ़कर 221 विद्यार्थियों तक पहुंच गया, जबकि कंपार्टमेंट श्रेणी के छात्र घटकर केवल तीन रह गए हैं।विद्यालय की टॉपर अनुष्का झा ने सुधार परीक्षा में तीन और अंक प्राप्त कर 500 में से कुल 491 अंक हासिल किए, जिससे उनका बेस्ट-फाइव प्रतिशत 98.2% हो गया। उनकी इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन ने उन्हें मैकबुक भेंट कर सम्मानित किया।इसके अलावा काजल कुमारी ने 58 अंक, अंशिका सिंह ने 30 अंक, पूर्वा सिंह ने 29 अंक और हर्ष राज ने 21 अंक बढ़ाकर अपने प्रतिशत में बेहतरीन सुधार किया। प्रधानाचार्य राजीव रंजन ने छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना करते हुए सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी।

लाठी और आंसू गैस

'कॉकरोचों' को थका देने या उनके आंदोलन में "पाकिस्तान या चीन के हाथ" जैसे नैरेटिव्स के प्रचार से असली सवाल खत्म नहीं होंगे। बल्कि ऐसी सोच से ये प्रश्न व्यवस्था से मोहभंग का कारण बन सकते हैं। पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था की खामियों के लिए जवाबदेही की मांग करने राजधानी आए छात्र-नौजवानों का बड़ा हिस्सा यह देखकर भौंचक था कि "जो पुलिस उनके लिए है", वही उन पर बेरहमी से लाठी क्यों चला रही है? उनकी बात सुनने के बजाय उन पर आंसू गैस के गोले क्यों दागे जा रहे हैं? किशोर वय छात्र-छात्राएं इस सवाल में उलझे नजर आए कि लोकतंत्र में अपनी बात कहने से उन्हें क्यों रोका जा रहा है? "इतना सब कुछ हो चुकने" के बावजूद किसी को जवाबदेह क्यों नहीं बनाया गया है? उन्हें यह देखकर भी हैरत हुई कि जब राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने उनकी बात और उन पर पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाने की कोशिश की, तो मिनट भर के अंदर सदन को ही स्थगित कर दिया गया।

इससे सवाल उठा कि संसद छात्र-नौजवान या जन समुदाय के किसी अन्य हिस्से को चिंताओं को व्यक्त और उन पर विचार-विमर्श का मंच अगर नहीं रह गई है, तो फिर पाठ्यपुस्तकों के जरिए प्रातिनिधिक लोकतंत्र के पढ़ाए गए तमाम गुण क्या महज किताबी हैं? अलग-अलग राज्यों के छोटे-बड़े शहरों में दिल्ली की घटनाओं के खिलाफ हुए स्वतःस्फूर्त विरोध प्रदर्शनों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये सवाल दूर-दराज तक पहुंच गए हैं। 'कॉकरोचोंÓ को थका देने या उनके आंदोलन में "पाकिस्तान या चीन के हाथ" जैसे नैरेटिव्स के प्रचार से ये सवाल खत्म नहीं होंगे। बल्कि ऐसी सोच से ये प्रश्न व्यवस्था से गहरे मोहभंग का कारण बन सकते हैं।

इसलिए सत्ता पक्ष को जन असंतोष से निपटने के पुराने तौर-तरीकों से बाहर निकलना चाहिए। दिल्ली में युवाओं की जैसी अप्रत्याशित भीड़ उमड़ी, वह संकेत है कि वो तौर-तरीके अब तेजी से असर खो रहे हैं। इसलिए असल सवालों से आंख मिलाने की जरूरत है। शिक्षा, अर्थव्यवस्था, एवं सामाजिक माहौल की परत-दर-परत दरकती ईंटों ने वो हालत पैदा की है, जिसमें छात्र-नौजवानों के सामने अवसरहीनता की विकट स्थिति खड़ी हुई है और उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय लगने लगा है। उसी से उपजी हताशा का प्रतीकात्मक विस्फोट दिल्ली की सड़कों पर हुआ- इसे समझने की जरूरत है।

आगे कुँआ, पीछे मोदी

शंकर शरण

बेचारे हिन्दू दोहरी चोट झेल रहे हैं - संघ-परिवार का विश्वासघात और ब्लैकमेलिंग। क्या इस से आगे कोई फर्क पड़ेगा? नहीं, राजा बाबू ने सब प्रबंध कर लिया है। कहीं कोई छिद्र नहीं छोड़ा। चाहे संवैधानिक संस्थाओं, रेफरियों पर धब्बा लगता रहे। लिहाजा चुनावी फुटबॉल का नेशनल कप वही जीतते रहेंगे। बाकी इंडिया बस वाचता रहेगा! यह सब समाज को खोखला करते जाने की कीमत पर। बस कप हाथ में रहे, चाहे वास्तविक खेल केवल कागजी हो जाए। एक अर्थ में यह संघ-परिवार का ही तर्क है। तेईस साल पहले, 2003 में इसे 'टीनाÓ (ज्जद्धह्ृर) कहा गया था — देयर इज नो अल्टरनेटिव — यानी, भाजपा का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए, ऐ देशवासियो, भाजपा को समर्थन दो! क्योंकि और किसे दोगे? कांग्रेस नेता को तो बोलना भी नहीं आता, कागज देख-देख पढ़ती है। बल्कि, जब तक यहबेचारी कांग्रेस की नेता है — तब तक भाजपा को चिन्ता की भी जरूरत नहीं! कौन 'इंडिया शाइनिंगÓ कर देने वाली भाजपा के बदले उस अटपटी कांग्रेस नेता को समर्थन देगा!

उक्त दलील 2004 के आरंभ तक इतनी दुहराई जाती रही थी, कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उस वर्ष चुनाव से पहले कहा "चुनाव में क्या होना है; कोई कांप्टीशन ही नहीं है!

तब से भाजपा नेता काफी बदल गये हैं। कुछ मामलों में अधिक होशियार, कुछ मामलों में और माशाअल्लाह। अगला चुनाव जीतने वाली सब तकनीकी कमियाँ इन्होंने दूर कर ली है, जिन पर किसी का ध्यान भी नहीं गया था। जिस में मुख्य यह कि मैच जीतने का सब से सुरक्षित तरीका है कि सामने कोई टीम ही न हो। यानी, सामने टीम न बनने दो! प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों में किसी को लुभा कर, किसी को डरा कर, किसी को फँसा कर, उस टीम से दूर रखो जो चुनौती दे सकती हो। अपनी टीम में भी कैप्टन बनने योग्य खिलाड़ियों को बाहर कर दो। बस, घुमा-फिरा कर वह वातावरण बनानाः जिसे 'टीनाÓ कह लीजिए — कि भई और है कौन जिसे समर्थन दोगे! दूसरी ओर, माशाअल्लाह यह कि दस वर्ष पहले संघ-भाजपाइयों द्वारा जो ऊँची-ऊँची उपलब्धि की बात कही जाती थी, अब उन में किसी का नाम तक नहीं लिया जाता। भ्रष्टाचार-मुक्ति, स्वदेशी आर्थिकी, दुनिया में प्रभाव, चीन को झुकाना, और — एक आकस्मिक नया लक्ष्यः 'कांग्रेस मुक्त भारतÓ और 'माँ-बेटे को जेल पहुँचानाÓ — यह सब अब भक्त भी नहीं दुहराते। पूरे देश ने देखा कि चीन कहाँ है, और अपने राम क्या हैं। बगल बंगलादेश में हिन्दुओं का कत्ल, अपमान, मंदिर-ध्वंस होता रहा है — और अपने राजा के मुँह से एक शब्द तक नहीं निकला। जबकि कांग्रेस राज में बंगलादेश के हिन्दुओं के लिए संघ-परिवार यहाँ सरकार से दर्जन भर माँगे करता था। उस में संयुक्त राष्ट्र में मुद्दा उठाना भी था!

यह उदाहरण है कि सारी बातें हवाबाजी थी। इसीलिए उन के कार्यकर्ता भी अब चुप हैं। सब जान चुके कि इन तिलों में तेल नहीं। कुछ विषयों में स्थिति पहले से बदतर हुई है। शिक्षा क्षेत्र इस का खुला उदाहरण है। विशिष्ट संस्थानों की स्वायत्तता भी छिन गई है। विद्या, विद्यार्थी, अध्यापक, स्नातक, सर्टिफिकेट या अवार्ड की गुणवत्ता का जिम्मेदार कोई नहीं है। महत्वपूर्ण अकादमियों में भी विद्वानों के स्थान पर मुंशी बिठा दिये गये हैं। ताकि अपनी टीम की जयकार करने, जुमले दोहराने वालों की संख्या बढ़े। बस। शिक्षा का जो हो, कुर्सी अपने हाथ रहे। यह फाउल खेलने जैसा है। पर उस से क्या, कैसे भी केवल चुनावी कप जीतते रहना है! यह दूरघातक स्थिति है, जो अनेक संघ-भाजपाई भी मानते हैं। पर कहते हैंः क्या करें? यह मानसिक बदहाली इतनी व्यापक है कि किसी नीति, घोषणा, चुप्पी, बेढब स्थिति, आदि की आलोचना पर केवल यही कहते हैंः 'भाजपा के हारने से आप को क्या मिलेगा?Ó चाहे अगले चुनाव में चार साल बाकी हो — पर उन के पास चुनाव छोड़ कोई विचार नहीं रह गया है। बारहों महीने उन्हें यही चिन्ता है। सो, अकेला लेखक भी यदि आलोचना करे तो वह चुनाव में हराने के लिए कर रहा है! अन्य कारण हो नहीं सकता। किसी को नीति सुधार या नेतृत्व परिवर्तन जैसी कोई बात नहीं सूझती कि वह भी विचारणीय हो सकती है। जबकि वह लोकतंत्र में सब से सहज विचार है। ब्रिटेन में 2016 से 2022 के छः वर्षों में एक ही सत्ताधारी दल के चार प्रधानमंत्रियों ने स्वेच्छा से पद छोड़ दिया, सिर्फ यह देखकर कि उन की कोई नीति विफल रही या उन की लोकप्रियता कम हो गई। उन्हें पद छोड़ने की विवशता न थी! किन्तु उन्होंने अपने दल के अन्य नेता के लिए स्वयं स्थान छोड़ दिया। यह सच्ची समानता, साथीपन की भावना है। दलीय और राष्ट्रीय हित का सामंजस्य भी। भारत में वह अकल्पनीय है! यहाँ शासक दूसरों को अपने से नीचा समझता है। आजीवन पद पर रहना अपना प्रथम अधिकार मानता है। चाहे देश का कुछ भी मत या हाल हो। यह दलीय ढाँचा भी मात्र दिखावा होने का संकेत है। मुख्य बात केवल जैसे-तैसे गद्दी पर रहने, या गद्दी लेने की है। देश की चिन्ता कहीं पीछे या बिलकुल नहीं। एक अर्थ में भयावह हाल है कि नेताओं के पास अपने किसी काम, निकम्मेपन, मनमानी, संसाधनों की बर्बादी, नीतिगत पलटी मारने, और चुप्पी के लिए दिखावटी दलील भी न हो! जिस का जगजाहिर सबूत वर्तमान शासकों द्वारा मीडिया का सामना न करना है। न अपने दल में किसी मतभेद स्वर का। ऐसे दलीय सहकर्मी भी किनारे कर दिये गये हैं। इस असाधारण दुर्बलता को छिपाने के लिए वे अनर्गल भाषणों का रेला देते रहते हैं, जहाँ कोई प्रश्नकर्ता न हो। केवल एकतरफा घटाटोप शब्दवर्षा। ताकि छिप जाए कि उन के पास अपने चित्र-विचित्र कर्मों-अकर्मों के बचाव में कहने को कुछ नहीं। सो, जुमले, तमाशे, दूसरों को अपशब्द, और दिवंगत नेताओं को कोसने से लोगों को उलझाए रख कर अपने को जमाने का उपाय किया गया है। ऐसी प्रवृत्ति की निरंतरता राष्ट्रीय खालीपन है। जिसे भाजपा-भक्त 'टीनाÓ में बदल लेते हैंः कि विकल्प क्या है! उन के बौद्धिक भी आलोचनाओं का उत्तर मनगढ़ंत दलीलों से देते हैं। जब ऐसी दलीलें कट जाती हैं तो अंत में उन का ब्रह्मास्त्र है, विशेषतः हिन्दू आलोचक को — 'भाजपा के हारने से क्या मिलेगा?Ó यह एक तरह की ब्लैकमेलिंग है, कि भाजपा के हारते ही वामपंथी, इस्लामी लोग सत्ता में जुड़ेंगे! ऐसे ब्लैकमेलर समर्थकों को परवाह नहीं कि पिछले दस, बीस, तीस सालों में भाजपा की किसी सत्ता ने एक भी ऐसी हिन्दू विरोधी, वामपंथी, या इस्लाम-परस्त नीति को खत्म नहीं किया। उन में ऐसी नीतियाँ भी हैं जिसे मामूली संसदीय प्रस्ताव पास कर हटाया जा सकता है। जैसे, 'शिक्षा का अधिकारÓ कानून में हिन्दुओं के विरुद्ध भेदभाव, जो गैर-हिन्दुओं को विशेष सुविधाएं देकर किया गया है। यही भेदभाव मंदिरों के संचालन पर राजकीय कब्जे से भी जारी है, जिस से मस्जिदें, चर्च मुक्त हैं।

यह हिन्दुओं पर परोक्ष जजिया है जो भाजपा-राज में और बढ़ा। गैर-हिन्दुओं के लिए विशेष कोचिंग, अनुदान, संस्थान, आदि देकर। जबकि इसी भेदभाव की निन्दा कर संघ-परिवार ने अपनी जमीन फैलाई थी। कितना बड़ा विश्वासघात कि सत्ता पा कर उन के शासकों ने वैसी किसी नीति को नहीं छुआ! बदले में झुनझुने, तमाशे, और नयी-नयी हाँक कर हिन्दू समर्थकों को बरगलाते रहे हैं। इतने विश्वास से कि लगे ही नहीं कि चुनाव जीतने के सिवा उन्हें कोई विशेष काम है। इसीलिए भाजपा शासकों के सभी भाषण पार्टी-भाषण होते हैं, राष्ट्रीय नहीं। फलतः उन के अनुयायी भी किसी न किसी को बुरा भला कहते रहते हैं। यही उन का 'विमर्शÓ है। अर्थात् वे मतिशून्य से हो चुके हैं। पार्टीबंदी की सनक ने उन से देश, समाज, और नीति का बोध छीन लिया है। वे अन्य दलों से घृणा करते हैं, मानो देश में उन का स्थान न हो! करोड़ो नागरिक गैर-भाजपा दलों को वोट देते हैं। इसे पक्के संघ-समर्थक बुराई समझते हैं। मानो, भाजपा नेता कुछ भी करें, सत्ता में इन्हीं को रहना चाहिए। यह 'राष्ट्रवादÓ नहीं, स्वार्थवाद है। ऐसी मानसिकता में किसी नीति की बात निरर्थक हो जाती है। इसीलिए संघ-परिवार के वैचारिक सहयोगियों की स्थिति बेकार फर्नीचर जैसी है, जिन की अब उपयोगिता नहीं। नीतिगत मुद्दे, नैतिक दावे, आदि पुराने कपड़ों की तरह छोड़े जा चुके हैं। उन्हें जुमलों और नारों ने विस्थापित कर दिया है। छल-बलपूर्वक केवल एक मुद्दा जमा दिया गया है — सत्ता में कौन रहे? बाकी सभी बातें अप्रासंगिक बना दी गई हैं। भाजपा के हटने पर इस्लामियों, वामपंथियों का हौआ दिखाया जाता है। जो वास्तविक भी है। किसी अन्य दल की सत्ता में उन्हें निश्चय ही स्थान मिलेगा, और वे अपने मुद्दों के प्रति विश्वासघात नहीं करते! इस अर्थ में, हिन्दू चेतना वाले वोटरों के लिए सचमुच आगे कुँआ, पीछे खाई है। सो, बेचारे हिन्दू दोहरी चोट झेल रहे हैं — संघ-परिवार का विश्वासघात और ब्लैकमेलिंग। क्या इस से आगे कोई फर्क पड़ेगा? नहीं, राजा बाबू ने सब प्रबंध कर लिया है। कहीं कोई छिद्र नहीं छोड़ा। चाहे संवैधानिक संस्थाओं, रेफरियों पर धब्बा लगता रहे। लिहाजा चुनावी फुटबॉल का नेशनल कप वही जीतते रहेंगे। बाकी इंडिया बस वाचता रहेगा! यह सब होशियारी जरूर है, किन्तु समाज को खोखला करते जाने की कीमत पर। बस कप हाथ में रहे, चाहे वास्तविक खेल केवल कागजी हो जाए।

सींखचों में सिसक रहीं हैं स्वयं सुहाग का खून करने वाली विवाहिताएं

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की बहुत सारी जेलों में अंधी वासना अवैध संबंध के चलते अपना सुहाग को उजाड़ने वाली कुलटाएं अपने कृत्यों के लिए दिनरात त्रासदी भुगत रहीं हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ जिला जेल में ही पिछले कुछ महीनों में सामने आए अवैध रिश्तों के ताने बाने में फंसकर अपने ही हाथों से अपने सुहाग को कत्ल कर जीवन को नरक में धकेलने की की कहानी दबी पड़ी हैं। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ चौधरी चरण सिंह जिला कारागार की बैरक नंबर 12ए में छह महिलाएं भी बंद हैं, जिन्होंने पराए संबंधों के मोह में अपने ही परिवार के खिलाफ घातक षड्यंत्र रच डाला। पांच जहां पति की हत्या की गुनहगार हैं, छठी ने अपनी कोख से जन्मे बेटे को ही मरवा दिया। यूपी की सबसे पुरानी जेलों में शुमार मेरठ की जिला जेल में फिलहाल 67 महिला बंदी हैं, जिन्हें बैरक 12ए और 12बी में रखा गया है। पति को सांप से डसवाकर मरवाने वाली दामिनी को भी इसी बैरक में मुस्कान, अंजलि, रविता, कोमल और गुरप्रीत के साथ रखा गया है। जेल प्रशासन के अनुसार दामिनी फिलहाल किसी से बातचीत नहीं कर रही है। उसकी काउंसलिंग की तैयारी है।

जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा बताते हैं कि इन महिलाओं को एक ही बैरक में रखने का उद्देश्य यह है कि वे एक-दूसरे का सहारा बन सकें। अधिकांश को अपने किए पर पछतावा है।इन सबके भीतर जेल से बाहर आने की छटपटाहट है लेकिन एक अच्छा जीवन और भविष्य खत्म हो जाने का अहसास भी है। इन पति हंता महिलाओं से जब परिवार वाले बच्चों के साथ मिलने आते हैं तो उनका संतुलन टूट जाता है बिलखते हुए गिड़गिड़ाना रोना और अच्छा वकील कर जेल से बाहर कराने की अपील करती हैं। ऐसे समय में वे एक-दूसरे से कहती भी हैं कि उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई थी, जो खुद ही अपनी गृहस्थी उजाड़ ली। सुबह सुंदरकांड के पाठ के बाद मुस्कान अपनी बेटी के साथ समय बिताती है, जबकि अंजलि, गुरुप्रीत, रविता और कोमल सिलाई-कढ़ाई में खुद को व्यस्त रखती हैं। आपको बता दें मुस्कान रस्तोगी का नीला ड्रम कांड हो अथवा रविता और दामिनी..। सभी ने पति के रहते भी दूसरे युवकों से आशिकी का चक्कर चलाया प्यार के चक्कर में अपने पति का काम तमाम कर अपराध की अंधी राह पर जाकर खून से अपने हाथ रंग लिए। संगीता, अंजलि, कोमल और कविता की भी यही कहानी है।पति से भावनात्मक और जिस्मानी पूर्ति के बावजूद ये दूसरे आशिकों के साथ रंगरलियां मनाने की वासना भरी चाहत में ऐसी भटकी कि कुछ महिलाओं ने अपने ही सुहाग को मौत के घाट उतार दिया तो एक ने बेटे को ही मार दिया। जिन सपनों के लिए उन्होंने यह खतरनाक रास्ता अख्तियार किया, वे टूट चुके हैं। जेल में कोई सिलाई-कढ़ाई सीख रही तो कोई बच्चों को पढ़ा रही है।हर सुबह जेल में बजने वाले सुंदरकांड को सुन कर मन की शांति पाने की कोशिश करती है। जाने-अनजाने उन्होंने यह कदम उठा तो लिया लेकिन सलाखों के पीछे अब सिर्फ दर्द है, पछतावा है और बेबस सिसकियां भी। आपको पता होगा तीन मार्च 2025 की रात को ब्रह्मपुरी की रहने वाली मुस्कान रस्तागी ने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी थी। ड्रम के अंदर सीमेंट से शव को जमा दिया था। मुस्कान और साहिल अभी भी जेल की सलाखों के पीछे है। दोनों के मुकदमे में जल्द ही निर्णय भी आने वाला है। परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के गांव अगवानपुर निवासी 28 वर्षीय राहुल से अंजलि के तीन बेटे हैं। इसके बावजूद अंजलि का दिल पड़ोसी अजय पर आ गया। राहुल खेती बाड़ी व पशुपालन करता था, जबकि अजय आवारा किस्म का था और मौजमस्ती करता था। अजय ही अंजलि को रास्ते में से पिकअप कर लेकर होटल पहुंच जाता था। राहुल इसका विरोध करता था। एक नंवबर 2025 रात आठ बजे अंजलि ने काल कर राहुल को गांव के बाहर मंदिर पर बुलाया। वहां पर अजय भी आ गया। तब अजय ने राहुल की तीन गोली मारकर हत्या कर दी। मेरठ के बहसूमा के अकबरपुर सादात ने रविता ने 17 अप्रैल 2025 को प्रेमी प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पति अमित की गला दबाकर हत्या कराई। उसके बाद सांप खरीद कर अमित के बिस्तर पर छोड़ दिया। उसके बाद सांप से काटने का नाटक रच दिया। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या आने के बाद पुलिस ने रविता और अमरदीप को जेल भेज दिया। दोनों फिलहाल जेल में बंद है।

वहीं चार अप्रैल को मेरठ जिला के परीक्षितगढ़ के अगवानपुर निवासी बीएसएफ जवान नैन सिंह की हत्या का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने पत्नी को और मौसी के बेटे गुलशन समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। कोमल ने बहन के मंगेतर गुलशन के साथ मिलकर हत्या की पूरी पटकथा रची थी। छह लाख की सुपारी के लिए अपने आभूषण गिरवी रखकर रकम जुटाई थी। मोबाइल कॉल डिटेल से ही पुलिस गुलशन तक पहुंची थी।

मेरठ की ही युवती गुरप्रीत ने तो प्रेमी के चक्कर में फंसकर अपनी कोख को ही उजाड़ दिया है। 17 जून को मेरठ जिला के बहसूमा के सैफपुर फिरोजपुर निवासी गुरुप्रीत कौर ने प्रेमी मुजफ्फरनगर के मीरापुर निवासी अर्पित पराशर के साथ मिलकर सात साले के बेटे अंगदवीर की हस्तिनापुर ले जाकर हत्या करा दी। महिला पौने दो साल से पति से अलग रह रही थी, बेटे की हत्या से चार दिन पहले ही ससुराल लौटी थी। गुरुप्रीत और अर्पित पराशर भी जेल में है। 23 जून 2025 को मेरठ के जानी खुर्द के किसान सुभाष की हत्या उसकी पत्नी कविता और छोटी बेटी सोनम ने अपने प्रेमियों के साथ मिलकर कराई थी। बेटी के प्रेमी विपिन ने दोस्त अजगर उर्फ शिवम के साथ गोली मारकर हत्या की थी। मां बेटी समेत पांच आरोपितों को पुलिस ने जेल भेज दिया। कविता और सोनम जमानत पर जेल से छूट चुकी है। 28 फरवरी 2025 को जानी के गांव कुसैड़ी निवासी लोडर ऑपरेटर अजय कुमार की हत्या उसकी पत्नी संगीता ने ही प्रेमी अवनीश निवासी गाजियाबाद के संग मिलकर की है। अजय कुमार उर्फ बिट्टू ताऊ के बेटे की शादी समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहा था। तब रास्ते में अवनीश ने ईंट से कुचलकर मार डाला। संगीता जमानत पर जेल से छूट चुकी है। यह समय की गति है या कलियुग का प्रभाव कि यूपी ही नहीं देश भर में प्रेम त्रिकोण विवाहेत्तर संबंध अंधी वासना और अवैध सम्बन्धों के चलते कई सौ विवाहिता युवतियां जेल की चारदीवारी में शून्य हो चुके भविष्य को तलाश रहीं हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 39 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

मेष राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा । आपको संतान पक्ष से सुख की अनुभूति होगी। आपको किसी महत्वपूर्ण कार्य या दिवस का अवसर या सूचना मिलेगी । आराम के लिए समय कम मिलेगा। आपको बिजनेस के सिलसिले में किसी से बेहतर सलाह मिलेगी, जिससे आपको फायदा होगा। विद्यार्थियों के लिए दिन बेहतर रहेगा। जीवनसाथी से सुख की अनुभूति प्राप्त होगी ।

वृष राशि : आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर कहीं यात्रा पर जा सकते हैं। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर आ सकते हैं। आज पूरा समय परिवार वालों के साथ बिताने के लिये भी प्लान कर सकते हैं।

मिथुन राशि : आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ने से आज आपमे विनम्रता भाव आएगा। युवा वर्ग का अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर किया गया प्रयास आज सफल रहेगा। व्यवसायिक काम आज आसानी से बनते जाएंगे, लेकिन प्रतिस्पर्धा का सामना भी करना पड़ सकता है।

कर्क राशि : आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। आज बच्चे आपको कारोबार में पूरा सपोर्ट करेंगे। आज ऑफिस में किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने से बचें,धैर्य के साथ काम करें सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह राशि : आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। आर्किटेक के क्षेत्र जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। कुछ समय अपनी रुचि वाले कामों में बिताने से नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस होगी। आज किसी अच्छी कंपनी में आपकी जॉब लगने की संभावना है। ससुराल पक्ष से आज शुभ समाचार मिलने का योग नजर आ रहा है।

कन्या राशि : आज का दिन सबसे अच्छा रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास और मनोबल के आगे विरोधी टिक नहीं पाएंगे। रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वसूल करने के लिए आज समय अनुकूल है। संगीत और कला से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, फिल्म इंडस्ट्री से आज आपको ऑफर भी मिल सकता है।

तुला राशि : आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप दिनभर घर की व्यवस्था और सुधार से जुड़े कामों में व्यस्त रहेंगे और आज बच्चों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने से उनका आत्मबल बढ़ेगा। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आपके भविष्य के लिए पैसे इकठे करने में आसानी होगी। आज आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा। ऑफिस में आज एक्सट्रा वर्क करने से रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा जिससे खुश होकर बॉस आपका प्रमोशन कर सकते हैं।

धनु राशि : आज का दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ होने के असार है। अपने कर्म और पुरुषार्थ से आज आपको बड़ी उपलब्धियां हासिल होंगी। नौकरीपेशा लोगों के प्रमोशन के योग बन रहे हैं।

कुंभ राशि : आज के दिन धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपकी धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम का विरोध करेंगे तो कुछ सहकर्मी आपके पक्ष में भी रहेंगे। अगर व्यवसाय से जुड़ा कोई कोर्ट केस चल रहा है, तो आज उसे सुलझाने का आज सही समय है।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी अच्छी जगह पर हो सकता है। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपका समय परिवार वालों के साथ अधिक बितेगा साथ ही कहीं बाहर घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं। ऐसा करने से परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा।

सोनम वांगचुक और गणतंत्र की नैतिक परीक्षा

सतीश झा

सोनम वांगचुक का आंदोलन एक प्रश्नपत्र से आगे बढ़ जाता है। वे केवल परीक्षा प्रणाली की जवाबदेही नहीं माँग रहे। वे उस सोच पर प्रश्न उठा रहे हैं, जिसने शिक्षा को छँटनी की मशीन बना दिया है। उनके भीतर छिपा प्रश्न कहीं बड़ा है—क्या भारत अपने युवाओं का भविष्य बना रहा है, या केवल उनका क्रम तय कर रहा है? यही प्रश्न उनके पूरे सार्वजनिक जीवन को समझने की कुंजी भी है।

लोकतंत्र जब नागरिक से उसकी जान माँगने लगे- लोकतंत्र की सबसे बड़ी विफलता तब नहीं होती, जब सरकार कोई गलत फैसला ले। सरकारें गलतियाँ करती हैं और उन्हें सुधारने का अवसर भी होता है। असली विफलता तब होती है, जब किसी नागरिक को अपनी बात सुनाने के लिए अपने शरीर को ही आख़िरी तर्क बनाना पड़े। किसी भी गणतंत्र में ऐसा नहीं होना चाहिए कि सत्ता किसी नागरिक की बात तब सुने, जब डॉक्टर चेतावनी दे चुके हों, अदालत हस्तक्षेप कर चुकी हो और उसका शरीर जवाब देने लगा हो। राज्य के भीतर कहीं न कहीं ऐसा दरवाज़ा अवश्य होना चाहिए, जहाँ किसी नागरिक की गंभीर और सार्वजनिक महत्व की शिकायत इसलिए सुनी जाए कि वह न्यायसंगत है, इसलिए नहीं कि वह मरने के कगार पर पहुँच गया है। 18 जुलाई 2026 को सोनम वांगचुक को दिल्ली के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इक्कीस दिन के उपवास ने उनके शरीर को बुरी तरह तोड़ दिया था। उन्होंने 28 जून को आमरण अनशन शुरू किया था। उनका संघर्ष किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं था। वे उन लाखों युवाओं के पक्ष में खड़े थे, जिनका विश्वास प्रश्नपत्र लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं की अव्यवस्था ने तोड़ दिया। दिल्ली हाईकोर्ट को भी उनके स्वास्थ्य की निगरानी का निर्देश देना पड़ा। एक ऐसा प्रश्न, जिसका उत्तर लोकतांत्रिक संवाद से दिया जाना चाहिए था, धीरे-धीरे एक नागरिक की शारीरिक सहनशक्ति और राज्य की संवेदनशीलता की परीक्षा बन गया। पहली नज़र में यह विवाद केवल प्रश्नपत्र लीक का दिखाई देता है। परीक्षा रद्द हुई, अनियमितताओं के आरोप लगे, जवाबदेही की माँग उठी और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक की आवाज़ पहुँची। यह सब गंभीर है, क्योंकि प्रश्नपत्र लीक केवल परीक्षा में धांधली नहीं है। यह उस भरोसे की हत्या है, जिसके सहारे करोड़ों युवा वर्षों तक तैयारी करते हैं। राज्य उनसे वादा करता है कि मेहनत और योग्यता का निष्पक्ष मूल्यांकन होगा। प्रश्नपत्र लीक उसी वादे का विश्वासघात है। लेकिन यदि हम यहीं रुक जाएँ, तो सबसे बड़ा प्रश्न छूट जाएगा। मान लीजिए भारत की हर परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष हो जाए। कहीं कोई प्रश्नपत्र लीक न हो, कोई नकल न हो, कोई भ्रष्टाचार न हो। क्या तब हमारी शिक्षा व्यवस्था सफल मानी जाएगी? उत्तर शायद फिर भी 'नहींÓ होगा। क्योंकि परीक्षा और शिक्षा एक ही चीज़ नहीं हैं। परीक्षा चुनती है, शिक्षा बनाती है। परीक्षा यह तय करती है कि सौ उम्मीदवारों में एक कौन आगे जाएगा। शिक्षा का दायित्व यह है कि सौ में सौ अपनी पूरी क्षमता तक पहुँच सकें। भारत ने इन दोनों के बीच का अंतर धीरे-धीरे भुला दिया है। हमने शिक्षा को प्रतियोगी परीक्षा का पर्याय बना दिया है। हर समस्या का समाधान हमें परीक्षा सुधार में दिखाई देता है—सुरक्षा बढ़ाइए, कैमरे लगाइए, डिजिटल निगरानी कीजिए, प्रश्नपत्र और सुरक्षित कर दीजिए। यह सब आवश्यक है, लेकिन पर्याप्त नहीं। की निन्यानवे युवाओं का क्या होगा? आज अधिकांश प्रतियोगी परीक्षाएँ ज्ञान का उत्सव नहीं, अवसरों की कमी का प्रबंधन बन गई हैं। जब एक सीट के लिए हजारों उम्मीदवार खड़े हों, तो परीक्षा योग्यता जितनी नहीं, दुर्लभ अवसरों की चौकीदारी उतनी करती है। वह कुछ लोगों को सफलता का प्रमाणपत्र देती है और बाकी लाखों को असफलता का बोझ। फिर व्यवस्था बड़ी सहजता से कह देती है कि दूसरा उम्मीदवार अधिक योग्य था। बहुत कम लोग यह पूछते हैं कि सौ योग्य युवाओं के लिए अवसर केवल एक ही क्यों था।

धीरे-धीरे व्यवस्था की विफलता व्यक्ति की विफलता में बदल दी जाती है। असफल छात्र से कहा जाता है कि वह और मेहनत करे, बेहतर कोचिंग ले, एक बार फिर प्रयास करे। लेकिन राज्य से यह नहीं पूछा जाता कि उसने पर्याप्त अवसर क्यों नहीं बनाए। शिक्षा का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को सक्षम बनाना है; प्रतियोगी परीक्षा का उद्देश्य उनमें से कुछ को अलग कर देना। यही दोनों के बीच का सबसे बुनियादी अंतर है। यहीं से सोनम वांगचुक का आंदोलन एक प्रश्नपत्र से आगे बढ़ जाता है। वे केवल परीक्षा प्रणाली की जवाबदेही नहीं माँग रहे। वे उस सोच पर प्रश्न उठा रहे हैं, जिसने शिक्षा को छँटनी की मशीन बना दिया है। उनके भीतर छिपा प्रश्न कहीं बड़ा है—क्या भारत अपने युवाओं का भविष्य बना रहा है, या केवल उनका क्रम तय कर रहा है? यही प्रश्न उनके पूरे सार्वजनिक जीवन को समझने की कुंजी भी है। सोनम वांगचुक ने अपनी यात्रा विरोध से नहीं, निर्माण से शुरू की। मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद उन्होंने 1988 में लद्दाख में स्ŒवŒरŒ की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें लगा कि वहाँ के बच्चे प्रतिभा के अभाव में नहीं, बल्कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था के कारण असफल घोषित किए जा रहे हैं, जो उनकी भाषा, उनके भूगोल और उनके जीवन से बिल्कुल अनजान है। बाद में उन्होंने जल संरक्षण, निष्क्रिय सौर ऊर्जा, टिकाऊ निर्माण और आइस स्तूप जैसी तकनीकों पर काम किया। उनका तरीका हमेशा एक जैसा रहा—पहले समस्या को समझो, फिर उसका समाधान विकसित करो और अंत में स्वयं उसकी जिम्मेदारी उठाओ। इसी काम ने उन्हें 2018 का रैमन मैग्सेसे पुरस्कार दिलाया। यही कारण है कि सोनम वांगचुक का नैतिक प्रभाव केवल इसलिए नहीं है कि वे सरकार की आलोचना करते हैं। भारत में सरकारों की आलोचना करने वालों की कमी नहीं है। उनका महत्व इसलिए है कि उन्होंने पहले काम किया, फिर बोलना शुरू किया। शिक्षा, पर्यावरण, स्थानीय समाज और लोकतांत्रिक जवाबदेही—पहली नज़र में ये अलग-अलग विषय लगते हैं, लेकिन इनके पीछे एक ही विचार काम करता है—विकास मनुष्य के लिए होना चाहिए, मनुष्य विकास के लिए नहीं।

इसीलिए उनके हर विचार से सहमत होना आवश्यक नहीं, लेकिन उन्हें गंभीरता से सुनना आवश्यक है। लोकतंत्र में नैतिक अधिकार पद, प्रसिद्धि या लोकप्रियता से नहीं मिलता। वह जीवन भर किए गए काम से अर्जित होता है। यहीं से असली प्रश्न शुरू होता है। क्या भारतीय गणतंत्र आज भी अपने सबसे गंभीर नागरिकों को बिना उनकी जान जोखिम में डाले सुनने की क्षमता रखता है? नागरिक पहले संदिग्ध, फिर नागरिक सोनम वांगचुक का महत्व केवल उनके काम में नहीं, बल्कि उस तरह की नागरिकता में है जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। वे किसी राजनीतिक दल के नेता नहीं हैं। चुनाव नहीं लड़ते। सत्ता प्राप्त करना उनका लक्ष्य नहीं रहा। फिर भी वे बार-बार राष्ट्रीय बहस के केंद्र में आ जाते हैं। इसका कारण उनकी लोकप्रियता नहीं, उनकी सार्वजनिक विश्वसनीयता है। उन्होंने शिक्षा पर काम किया, पर्यावरण पर किया, लद्दाख के स्थानीय समाज के साथ किया। इसलिए जब वे बोलते हैं, तो उनके शब्द केवल विचार नहीं रहते, अनुभव का भार भी साथ लाते हैं। लेकिन लोकतंत्र का अर्थ किसी व्यक्ति को आलोचना से ऊपर उठा देना भी नहीं है। 2025 में लद्दाख में संवैधानिक संरक्षण और राज्य के दर्जे की माँग को लेकर आंदोलन हिंसक हो गया। जानें गईं। सरकार ने आरोप लगाया कि सोनम वांगचुक के कुछ बयानों ने वातावरण को भड़काया। वांगचुक ने इसे अस्वीकार किया और हिंसा को वर्षों से जमा असंतोष का परिणाम बताया। बाद में उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में भी रखा गया। इन घटनाओं का फैसला नारों से नहीं हो सकता। राज्य का दायित्व है कि वह हिंसा रोके, कानून लागू करे और यदि किसी व्यक्ति की भूमिका संदिग्ध हो तो उसकी निष्पक्ष जाँच करे। लेकिन उतना ही बड़ा दायित्व यह भी है कि वह आरोप को प्रमाण से सिद्ध करे। लोकतंत्र में सरकारी आदेश स्वयं प्रमाण नहीं होते। राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे असाधारण कानूनों का औचित्य भी असाधारण साक्ष्यों से ही सिद्ध होना चाहिए। यहीं आज का सबसे बड़ा संकट दिखाई देता है। हमने असहमति पर बहस करना लगभग छोड़ दिया है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत ख़बरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

हरभजन सिंह बोले, मैंने आज तक वैभव जैसा निडर और असाधारण क्रिकेटर नहीं देखा

एजेंसी, चंडीगढ़

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है वह असाधारण प्रतिभा है। हरजजन ने कहा कि वैभव जिस प्रकार से निडर होकर खेलता है वह उसकी सबसे बड़ी खूबी है। मैंने आज तक इस प्रकार का क्रिकेटर नहीं देखा है। जो बिना किसी डर के इस प्रकार खेलता है। साथ ही कहा कि ये आधुनिक क्रिकेट के बदलते स्वरूप को भी दिखाता है। हरभजन ने कहा कि वैभव जिस प्रकार अपनी स्वाभाविक खेल शैली पर पूरा भरोसा करते हैं उससे भी आधुनिक क्रिकेट की बदलती मानसिकता का अंदाजा होता है। आज के समय में खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को खुलकर प्रदर्शित करने और पारंपरिक बंधनों से मुक्त होकर खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है जहाँ व्यक्तिगत शैली को महत्व दिया जाता है। इस पूर्व स्पिनर ने आज की युवा पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के खिलाड़ियों के बीच के अंतर को लेकर कह। उन्होंने कहा, आज के युवाओं और पहले के युवाओं में सबसे बड़ा अंतर मीडिया और सोशल मीडिया की पहुंच का है। पहले भी ऐसी असाधारण प्रतिभाएं होती थीं पर आज उन्हें कहीं अधिक पहचान और वरीयता मिलती है। उन्होंने जोर देकर कहा, वैभव जिस तरह का खेल आज मैदान पर दिखा रहे हैं, वैसा पहले मैंने कभी किसी नहीं देखा। वह वास्तव में अविश्वसनीय हैं, एक बेहद शानदार और दुर्लभ प्रतिभा। मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी इतनी सहज और निडर प्रतिभा नहीं देखी है या उसका सामना किया है। उन्होंने राहुल द्रविड़ से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि द्रविड़ ने वैभवी से एक बार पूछा था कि वह अपने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) करियर की पहली गेंद पर क्या करने की सोच रहे हैं। तो उसका जवाब था छक्का लगाउंगा जबकि यह सवाल अक्सर युवा खिलाड़ियों को दबाव में डाल देता है, लेकिन सूर्यवंशी का जवाब उनकी निडरता का प्रमाण था।

इसके बाद आईपीएल की पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने अपने को सही साबित भी कर दिया। यह न केवल उसके आत्मविश्वास को दिखाता है बल्कि यह भी बताता है कि वह अपनी बात पर अटल रहता है। हरभजन ने इस घटना को आधुनिक क्रिकेट की स्वीकार्यता में एक महत्वपूर्ण बदलाव बताया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब लोग निडर सोच वाले खिलाड़ियों और उनके अपने तरीके से खेलने के नजरिए को खुले दिल से स्वीकार कर रहे हैं।

पीसीबी ने क्रिकेटरों की फिटनेस सुधारने पैडल ट्रेनिंग अनिवार्य की

एजेंसी, लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अब खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी जोर देने जा रहा है। पीसीबी का मानना है कि टीम के खराब प्रदर्शन का कारण कमजोर फिटनेस भी रही है। इसी कारण अब उसने क्रिकेटरों के लिए पैडल ट्रेनिंग अनिवार्य कर दी है। इसी के तहत ही लाहौर स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में अब पैडल को खिलाड़ियों की ट्रेनिंग का एक अनिवार्य हिस्सा बना दिया गया है। इस नई व्यवस्था के तहत, सभी क्रिकेटरों को अपनी फुर्ती, रिफ्लेक्स और फील्डिंग से जुड़ी गतिविधियों को बेहतर बनाने के लिए हर दूसरे दिन 40 मिनट के विशेष पैडल सत्र में भाग लेना होगा। ये ट्रेनिंग सीनियर सेलेक्टर और हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर आकिब जावेद ने लागू की है।

आकिब ने स्पष्ट किया कि एनसीए में आयोजित होने वाले लंबे ट्रेनिंग कैंप्स के दौरान खिलाड़ियों को पैडल खेलना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि हमारे कई खिलाड़ी पहले से ही पैडल के शौकीन हैं और नियमित रूप से इसे खेलते रहे हैं। हालांकि, उन्हें अपने गृहनगर में सीमित संख्या में उपलब्ध पैडल कोर्ट तक पहुँचने के लिए अक्सर लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे असुविधा होती थी। इस चुनौती को देखते हुए, पीसीबी ने एनसीए परिसर में ही अत्याधुनिक पैडल कोर्ट की सुविधा उपलब्ध करा दी है, ताकि खिलाड़ी बिना किसी परेशानी के इसका लाभ उठा सकें।

जावेआकिब द के अनुसार, इस कदम का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों की पूरी फिटनेस, मैदान पर उनकी गतिविधियों की गति और उनकी फील्डिंग कौशल को एक ऐसे खेल के माध्यम से बेहतर बनाना है जो न केवल सीखने में आसान है बल्कि बेहद मजेदार भी है और जिसमें भरपूर शारीरिक मेहनत लगती है। उन्होंने पैडल को सरल, मजेदार और फिटनेस के लिए बेहद उपयोगी बताया।

तिलक बोले टीम की जरुरतों के अनुसार खेलना मेरी पहली प्राथमिकता

एजेंसी, हरारे

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज और टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा पिछले कुछ समय से धीमी बल्लेबाजी के लिए निशाने पर रहे हैं। उनके कम स्ट्राइक रेट को लेकर भी अक्सर सवाल उठते रहे हैं। इन्हीं को लेकर अब तिलक ने अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। तिलक के आलोचकों का कहना है कि आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उनका स्ट्राइक रेट कम था जिससे टीम को नुकसान हुआ। वहीं तिलक ने कहा कि से उनके लिए व्यक्तिगत आंकड़े मायने नहीं रखते हैं। वह हमेशा टीम की जरूरतों को ही अपनी पहली प्राथमिकता मानते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मैदान पर उनका खेल केवल हालातों और टीम की मांग के अनुरूप ही होता है। तिलक ने कहा कि टी20 क्रिकेट में हर मैच और हालात एक-दूसरे से बिलकुल अलग होते हैं। ऐसे में एक बल्लेबाज को उसी हिसाब से खेलना होता है। उन्होंने कहा, इस खेल की प्रकृति ही ऐसी है कि यह हर पल बदलता रहता है, और खासकर विदेशी हालातों में जहां पिचों का मिजाज और माहौल अलग होता है, ऐसे में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता। इसलिए मैं हमेशा टीम की जरूरत के अनुसार ही खेलता हूं। अगर टीम को पारी संभालने और विकेट गिरने से रोकने की जरूरत हो, तो मैं वह भूमिका निभाता हूं, और अगर पहली गेंद से ही आक्रामक बल्लेबाजी कर रन गति बनाने हो, तो मैं उसके लिए भी तैयार रहता हूं।

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत का लक्ष्य है विश्वकप जीतना

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि उनकी टीम का लक्ष्य अगले माह होने वाले विश्वकप में जीत दर्ज करना है। हरमनप्रीत ने कहा कि टीम इस बार 51 साल से चले आ रहे विश्व कप के खिताबी सूखे को समाप्त करने के इरादे से उतरेगी। हरमनप्रीत दूसरी बार विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रहे है और उन्हें भरोसा है कि टीम इस बार जीत दर्ज करने में सफल रहेगी। विश्वकप 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा। गौरतलब है कि भारतीय टीम पिछले 50 साल से ये खिताब नहीं जीत पायी है। उसने अंतिम बार साल 1975 में अजीत पाल सिंह की कप्तानी में विश्कप जीता था। इससे पहले टीम ने 1971 में कांस्य, 1973 में रजत जीता था। मौजूदा टीम का आत्मविश्वास पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ा है। हरमनप्रीत ने बताया कि टोक्यो ओलंपिक 2021 में 41 साल बाद कांस्य पदक जीतने और पेरिस ओलंपिक 2024 में लगातार दूसरा कांस्य जीतने से टीम उत्साहित है। अब उनका लक्ष्य सिर्फ ओलंपिक पदक नहीं, बल्कि विश्व कप जीतकर नया इतिहास रचना है। हरमनप्रीत ने कहा कि पिछले कुछ समय में टीम ने विश्व की शीर्ष टीमों को हराकर अपने को साबित किया है। उन्होंने कह कि यह समय आ गया है कि हम प्रशंसकों के लंबे इंतजार को समाप्त करें। हम प्रशंसकों से अपील करते हैं कि वे हमारा समर्थन करते रहें, हम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देंगे और जीत हासिल करेंगे। भारतीय टीम को विश्वकप के लिए पूल-डी में रखा गया है, जहां उसका सामना इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स से होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगी, जिसका लक्ष्य जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज करना होगा।

बचपन के कोच को कुलदीप की टीम में वापसी का भरोसा

एजेंसी, मुम्बई

स्पिनर कुलदीप यादव के बचपन के कोच कपिल पांडे ने कहा है कि इंग्लैंड दौरे में अवसर नहीं मिलने से कुलदीप निराश नहीं है और उसका मनोबल जरा भी कम नहीं हुआ है। कोच के अनुसार टीम चयन का अधिकार कप्तान और कोच का रहता है और ऐसे में कोई भी खिलाड़ी कुछ नहीं कर सकता। केवल अपनी ओर से प्रयास भर कर सकता है। कोच के अनुसार कुलदीप बेहद जुझारू हैं और वह टीम में जरुर वापसी करेगा। ये भी कहा देखा गया है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के कार्यकाल में भारतीय टीम ने 104 मैच खेले हैं पर कुलदीप इनमें से केवल 38 अंतरराष्ट्रीय मैचों में ही खेल पाए हैं। इसके बाद से ही गंभीर की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं पर कुलदीप के कोच का कहना है कि टीम चुनना कप्तान और कोच का काम है। पांडे ने स्पष्ट किया, कुलदीप के निराश होने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने अच्छी तैयारी की है और जब भी उन्हें मौका मिला है, उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पांडे के लिए, कुलदीप का भारतीय टीम का हिस्सा बने रहना ही गर्व की बात है। उन्होंने कहा, जब टीम हारती है तो हमेशा दुख होता है पर सबसे बड़ी बात भारतीय टीम का हिस्सा बने रहना है। देश के लिए खेलना गर्व की बात है। उकके अनुसार कुलदीप अब भी प्रमुख स्पिनर बने हुए हैं और जब भी उन्हें मौका मिलेगा, वे तुरंत अपना प्रभाव दिखाएंगे। पांडे ने इस बात को भी गलत बताया कि कुलदीप के कम टेस्ट मैच खेलने से उनकी योग्यता पर सवाल उठ रहे हैं।

बिजनेस

संक्षिप्त समाचार

उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में रिकवरी का रुख

- शुरुआती दबाव के बाद सेंसेक्स और निफ्टी की स्थिति सुधरी

एजेंसी, नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच रिकवरी करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से बाजार की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। इस उतार-चढ़ाव के बीच पहले एक घंटे के कारोबार में खरीदारों का पलड़ा भारी नजर आ रहा था। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी का भी बढ़ा भाव

एजेंसी, नई दिल्ली : घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 2,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,190 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चांदी के भाव में भी आज 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम की जोरदार तेजी नजर आ रही है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,420 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,34,310 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला इंडो एमआईएम का आईपीओ, 30 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी इंडो एमआईएम का 3,811.21 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 27 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 3:15 बजे तक ये आईपीओ 82 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 461 रुपये से लेकर 485 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 30 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 30 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,550 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,89,150 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 390 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 7,86,00,300 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 1,03,09,278 नए शेयर जारी हो रहे हैं, जबकि 6,82,91,022 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये जारी किए जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.87 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 34.91 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.96 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के एंप्लॉयीज के लिए 0.26 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। इंडो एमआईएम की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 283.73 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 423.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 533.54 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 2,900.38 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 3,373.97 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 4,320.70 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था।

सोटेफिन भारत ने निवेशकों को किया खुश, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑटोमेटेड कार पार्किंग सिस्टम बनाने वाली कंपनी सोटेफिन भारत के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 187 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 9.63 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 205 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर थोड़ी देर में ही उछल कर 215.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 28.25 रुपये यानी 15.11 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस कंपनी का 89.76 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 20 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.82 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

प्राइमरी मार्केट में एक्सट्रानेट टेक का आईपीओ लॉन्च, 27 जुलाई तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

मध्य प्रदेश की आईटी सॉल्यूशंस प्रोवाइडर कंपनी एक्सट्रानेट टेक्नोलॉजीज का 166.80 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 27 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 2:30 बजे तक ये आईपीओ 61 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 120 रुपये से लेकर 127 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 110 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 110 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 13,970 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,95,580 रुपये के निवेश से अधिकतम 14 लॉट में 1,540 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,31,34,000 करोड़ नए शेयर बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 36.96 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 48.04 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए शेयर इंडिया कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। एक्सट्रानेट टेक्नोलॉजीज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 10.94 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 30.03 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 40.73 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 233.26 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 276.53 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 366.01 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 41.19 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 39.24 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला लोहिया कॉर्प का आईपीओ, 30 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

टेक्सटाइल सेक्टर के लिए मशीनरी और सहायक उपकरण बनाने वाली कंपनी लोहिया कॉर्प का 1,102.08 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 27 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर दो बजे तक ये आईपीओ 18 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 404 रुपये से लेकर 425 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 35 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 35 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,875 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,375 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 455 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,59,31,407 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए इक्वीरस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 117.84 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 193.45 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 1,386.47 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 1,737.87 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी गिरावट आई।

आईटीसी का 2035 तक आठ लाख करोड़ रुपये के एफएमसीजी बाजार का लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की प्रमुख एफएमसीजी कंपनी आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) संजीव पुरी ने गुरुवार को कहा कि कंपनी ने 2035 तक अपने पैकेज्ड गुड्स व्यवसाय के लिए 8 लाख करोड़ रुपये के एड्रेसेबल मार्केट (कुल संभावित बाजार) का लक्ष्य रखा है। कंपनी ब्रांड निर्माण, डिजिटल वाणिज्य के विस्तार और रणनीतिक अधिग्रहणों के जरिये अपनी स्थिति मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। आईटीसी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए पुरी ने कहा कि भारतीय एफएमसीजी बाजार 'उल्लेखनीय विस्तार' के लिए तैयार है, देश का उपभोक्ता परिदृश्य तेजी से बदल रहा है।

उन्होंने बताया कि कंपनी इस विशाल अवसर को भुनाने के लिए ब्रांड-बिल्डिंग, एआई-संचालित उपभोक्ता अंतर्दृष्टि, डिजिटल कॉमर्स और रणनीतिक अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पुरी ने कहा कि आकांक्षी भारत का उदय, प्रीमीयमीकरण, जेन-जेड और जेन-अल्फा उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या, डिजिटल पहुंच का विस्तार और त्वरित वाणिज्य (क्विक कॉमर्स) का बढ़ता चलन उत्पाद श्रेणियों, वितरण माध्यमों और उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर जन नायकन का तूफान! पहला दिन 100 करोड़, शाहरुख की पठान से आगे और रजनीकांत की कुली से पीछे

तमिल अभिनेता से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन गुरुवार 23 जुलाई को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है। पैन इंडिया फिल्म के तौर पर प्रदर्शित हो रही है यह फिल्म कई बार रिलीज टलने, लंबे कानूनी विवाद, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से जुड़े विवादों और फिल्म के कुछ हिस्सों के लीक होने जैसी घटनाओं के बाद अब दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार है। शुरुआत में यह फिल्म जनवरी में रिलीज होने वाली थी, लेकिन विभिन्न कारणों से इसकी रिलीज टालनी पड़ी। चूंकि यह विजय के अभिनय करियर की अंतिम फिल्म मानी जा रही है, इसलिए इसे लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। रिलीज से चार दिन पहले शुरू हुई अग्रिम टिकट बुकिंग ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, जिसके बाद फिल्म व्यापार से जुड़े कई विशेषज्ञ पहले दिन 100 करोड़ रुपये से अधिक के वैश्विक कारोबार का अनुमान लगा रहे हैं। निर्देशक एच. विनोथ की इस फिल्म में विजय आखिरी बार मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। यह फिल्म उनके अभिनय करियर का समापन मानी जा रही है और इसी कारण इसे लेकर प्रशंसकों में खास उत्साह देखने को मिल रहा है।

जन नायकन को भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी रिलीज में से एक माना जा रहा है। फिल्म के लिए पूरे भारत में लगभग 8,000 शो निर्धारित किए गए हैं, जिनमें से 3,500 से अधिक शो केवल तमिलनाडु में होंगे। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार बुधवार सुबह तक फिल्म ने पहले दिन की अग्रिम टिकट बुकिंग से लगभग 15 करोड़ रुपये का सकल कारोबार कर लिया था। यदि ब्लॉक की गई सीटों को भी इसमें शामिल कर लिया जाए तो यह आंकड़ा 20 करोड़ रुपये से अधिक हो जाता है। पहले दिन के लिए अब तक लगभग 6.5 लाख टिकट बिक चुके हैं। वैश्विक स्तर पर भी फिल्म की पहले सप्ताहांत की अग्रिम टिकट बुकिंग 30 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुकी है। हालांकि, यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि इस कारोबार का अधिकांश हिस्सा फिल्म के मूल तमिल संस्करण से आया है। तमिलनाडु के बाहर फिल्म को लेकर अपेक्षाकृत कम उत्साह दिखाई दे रहा है। खासकर उत्तर भारत के कई सिनेमाघरों में अग्रिम टिकट बुकिंग बेहद सीमित रही है। उत्तर भारत के सिनेमाघरों में कम रही अग्रिम टिकट बुकिंग के बावजूद मल्टीप्लेक्स सिनेमाघरों ने इसे अपने यहाँ किसी बड़ी बॉलीवुड फिल्म की तरह शो व स्क्रीन्स दिए हैं। हिन्दी के साथ-साथ उत्तर भारत की सभी मल्टीप्लेक्स चैन ने इसे इसके मूल संस्करण तमिल के लिए भी कई शोज आवंटित किए हैं। यह संख्या विजय की पहले प्रदर्शित हो चुकी फिल्मों, जिनमें उनकी ब्लॉकबस्टर रही फिल्म लियो भी शामिल है, से कहीं ज्यादा है। उत्तर भारत के सिनेमाघरों को उम्मीद है कि विजय की यह फिल्म हिन्दी भाषा में भी बेहतरीन कारोबार करने में सफल होगी। जन नायकन के बारे में: एच. विनोथ के निर्देशन में बनी जन नायकन विजय की अभिनय करियर की अंतिम फिल्म है। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान ही उन्होंने पूरी तरह से राजनीति में कदम रखने की घोषणा कर दी थी। यह फिल्म पहले जनवरी में रिलीज होने वाली थी, लेकिन केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से प्रमाणपत्र नहीं मिलने के कारण इसकी रिलीज टाल दी गई थी। इसी दौरान विजय की पार्टी टीवीके ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की और विजय ने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। फिल्म में विजय के साथ पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, ममिता बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज और नारायण जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है, जबकि छायांकन सत्यन सूर्यन और संपादन प्रदीप ई. राघव ने किया है।

विदेशों में भी शानदार शुरुआत की उम्मीद

विदेशी बाजारों में भी जन नायकन से बड़ी शुरुआत की उम्मीद की जा रही है। विशेष रूप से उत्तर अमेरिका, मध्य पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया में फिल्म को शानदार प्रतिक्रिया मिलने का अनुमान है। उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म पहले दिन अंतरराष्ट्रीय बाजार से 40 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक की कमाई कर सकती है। इसके साथ ही फिल्म का पहले दिन का वैश्विक सकल कारोबार 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर सकता है। यदि ऐसा होता है तो जन नायकन पहले ही दिन 100 करोड़ रुपये का वैश्विक कारोबार करने वाली भारत की 19वीं और तमिल सिनेमा की तीसरी फिल्म बन जाएगी। हालांकि पहले दिन के सटीक आंकड़ों का अनुमान लगाना आसान नहीं होता, लेकिन कई व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि फिल्म 105 करोड़ रुपये से अधिक का वैश्विक कारोबार कर सकती है। ऐसा होने पर यह विजय की द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (99 करोड़ रुपये), रजनीकांत की जेलर (91 करोड़ रुपये) और शाहरुख खान की पठान (104 करोड़ रुपये) जैसी फिल्मों की पहले दिन की वैश्विक कमाई को पीछे छोड़ सकती है। हालांकि, तमिल सिनेमा की सबसे बड़ी ओपनिंग का रिकॉर्ड फिलहाल रजनीकांत की कूली के नाम है, जिसने पहले दिन लगभग 153 करोड़ रुपये का वैश्विक कारोबार किया था। जन नायकन के इस रिकॉर्ड तक पहुंचने की संभावना फिलहाल कम मानी जा रही है।

बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन कितनी होगी कमाई?

रिलीज में अभी एक दिन का समय बाकी है और उम्मीद की जा रही है कि बुधवार को अग्रिम टिकट बुकिंग की रफ्तार और तेज होगी। फिलहाल जन नायकन विजय की सबसे बड़ी हिट फिल्म लियो से पीछे चल रही है, जिसने केवल अग्रिम टिकट बुकिंग से ही 46 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। हालांकि, माना जा रहा है कि जन नायकन विजय की पिछली फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (त्रहरञ्ज) के 29 करोड़ रुपये के अग्रिम बुकिंग रिकॉर्ड तक पहुंच सकती है। फिल्म व्यापार विशेषज्ञों का अनुमान है कि जन नायकन भारत में पहले दिन लगभग 55 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार कर सकती है। कुछ विशेषज्ञ यह आंकड़ा 60 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना भी जता रहे हैं। यदि ऐसा होता है तो फिल्म विजय की पिछली फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम के 44 करोड़ रुपये के पहले दिन के शुद्ध कारोबार को पीछे छोड़ देगी। हालांकि, यह विजय की ही फिल्म लियो के 65 करोड़ रुपये के शुरुआती रिकॉर्ड से पीछे रह सकती है। अनाधिकृत तौर पर बॉक्स ऑफिस का विश्लेषण करने वाले कुछ विश्लेषकों का अनुमान है कि जन नायकन विजय की लियो के 65 करोड़ रुपये के पहले दिन के आंकड़े को तोड़ने में सफल हो जाएगी और यह करीब 70 करोड़ के आंकड़े तक पहुँच सकती है।

अर्जुन कपूर और साहिबा बाली लॉर्ड्स में साथ दिखे, फैंस के मन में उठे रिश्ते को लेकर सवाल

अभिनेता अर्जुन कपूर और अभिनेत्री व कंटेंट क्रिएटर साहिबा बाली के रिलेशनशिप को लेकर एक बार फिर से चर्चाएं गर्म हो गई हैं। हाल ही में दोनों को लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर एक साथ देखा गया, जिससे सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। दोनों रविवार को भारत बनाम इंग्लैंड के तीसरे वनडे मैच में शामिल हुए और स्टैंड्स से उनकी तस्वीरें तेजी से ऑनलाइन वायरल होने लगीं। हालांकि, इस वनडे मैच में बेटे तैमूर के साथ सैफ अली खान भी देखने पहुंचे थे और अभिनेत्री कृति सैनन भी मैच देखते हुए नजर आईं, लेकिन अर्जुन और साहिबा ने विशेष रूप से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। अर्जुन कपूर और साहिबा बाली मैच देखते हुए काफी रिलैक्स्ड और सहज नजर आए। उनके इस तरह सार्वजनिक रूप से साथ दिखने से सोशल मीडिया पर तुरंत हलचल मच गई। कई यूज़र्स ने सवाल उठाया कि क्या उनकी दोस्ती से बढ़कर भी कोई रिश्ता है? हालांकि, अर्जुन या साहिबा में से किसी ने भी इन रिलेशनशिप की अटकलों पर कोई सीधा रिएक्शन नहीं दिया है। वायरल हुए वीडियो और तस्वीरों में दोनों को एक साथ

बैठकर मैच का मज़ा लेते हुए देखा गया। अर्जुन कपूर और साहिबा बाली ने मैचिंग कलर के आउटफिट पहने हुए दिखाई दिए, जिसने लोगों के संदेह को और बढ़ा दिया। हालांकि, तस्वीरों में ऐसा कुछ भी स्पष्ट रूप से नहीं है जो किसी रोमांटिक रिश्ते की सीधे तौर पर पुष्टि करता हो। जैसे-जैसे तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, कुछ यूज़र्स ने हैरानी जताई और सवाल किए, तो कुछ ने तो पहले ही दोनों को बधाई देना शुरू कर दिया था। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, "क्या वे रिलेशनशिप में हैं? क्या वह किसी और के साथ नहीं थीं?" यह सवाल साहिबा के पिछले कथित रिश्तों की ओर इशारा कर रहा था। हालांकि, एक अन्य यूजर ने इन अटकलों को खारिज करते हुए दावा किया कि साहिबा कंटेंट क्रिएटर कुल्लू के साथ मैच देखने गई थीं और अर्जुन कपूर बस उसी सोशल सर्कल का हिस्सा थे। दरअसल, साहिबा ने हाल ही में जब अर्जुन को उनके जन्मदिन की बधाई दी थी और उन्हें अपना बेस्टी बताया था, तबसे ही दोनों के रिलेशनशिप की चर्चाएं सोशल मीडिया पर चल रही थीं। साहिबा बाली ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर अर्जुन को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा था, "सबके बेस्टी को जन्मदिन की बधाई। और वज़न कम करना बंद करो, थोड़ा केक खाओ।" अर्जुन ने इसका जवाब देते हुए लिखा, "तुम्हारे साथ का इंतज़ार है।" इस जवाब ने तुरंत उन फैंस का ध्यान खींचा जो उनकी बातचीत पर लगातार नज़र रखे हुए थे। बता दें, साहिबा एक एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर भी हैं। साहिबा पहले ही कई बार कह चुकी हैं कि वह सिंगल हैं। उन्होंने यह भी साफ किया है कि कुल्लू के साथ उनकी अक्सर चर्चा में रहने वाली केमिस्ट्री पूरी तरह से दोस्ती और प्रोफेशनल है, जिसमें कोई रोमांटिक एंगल नहीं है। फिलहाल, अर्जुन और साहिबा दोनों की तरफ से उनके रिश्ते की स्थिति पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

अजय देवगन ने रोहित शेट्टी के साथ मनाया सिंघम के 15 पूरे होने का जश्न, शेयर किया आइकॉनिक क्लिप

अभिनेता अजय देवगन की फिल्म सिंघम को रिलीज हुए 15 साल पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर अभिनेता ने सोशल मीडिया के माध्यम से फिल्म से जुड़ी यादों को फिर से दोहराया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़ा क्लिप शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, जुलाई का महीना वाकई हमारे लिए बहुत खास है। रोहित शेट्टी। सिंघम के 15 साल पूरे। ब्लॉकबस्टर भारतीय हिंदी एक्शन फिल्म सिंघम 2011 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन रोहित शेट्टी ने किया था और इसमें अजय देवगन ने बाजीराव सिंघम की मुख्य भूमिका निभाई है। यह फिल्म साल 2010 में आई इसी नाम की तमिल फिल्म का रीमेक थी। यह फिल्म ईमानदार, सिद्धांतवादी और निडर पुविस वाले बाजीराव सिंघर की होती है। उनका सामना जयकांत शिकरे (प्रकाश राज) नाम के एक भ्रष्ट राजनेता और अपराधी से होता है। फिल्म में अजय देवगन के अलावा, काजल अग्रवाल, प्रकाश राज, सचिन खेडेकर और अशोक सराफ समेत कई मंझे हुए कलाकार नजर आए थे। फिल्म और इसके गानों को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था। सिंघम फिल्म के कई डायलॉग बहुत प्रसिद्ध हैं, जैसे, आता माझी सटकली और ज्यांच्यात दम असतो... ते सिंघम असतात। इसके अलावा, अजय देवगन की पानी से बाहर निकलते हुए एंट्री वाला सीन भी बहुत आइकॉनिक माना जाता है। इस फिल्म की कहानी एक छोटे से गांव शिवागढ़ से शुरू होती है। बाजीराव सिंघम एक आदर्शवादी पुलिस वाले हैं, जो शांति और बातचीत से समस्याओं का समाधान करते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार के खिलाफ जरूरत पड़ने पर सख्ती भी बरतते हैं। उनकी टक्कर गोवा के एक भ्रष्ट और खतरनाक राजनेता जयकांत शिकरे (प्रकाश राज) से होती है। इसके बाद वे गोवा ट्रांसफर हो जाते हैं और सिस्टम में रहकर भ्रष्ट नेताओं का पर्दाफाश करते हैं। सिंघम की भारी सफलता के बाद ही डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने बॉलीवुड में पुलिस-आधारित फिल्मों का एक पूरा यूनिवर्स (कॉप यूनिवर्स) बना दिया है। इसके बाद उन्होंने सिंघम रिटर्न्स (2014), सिम्बा (2018), सूर्यवंशी (2021) और सिंघम अगेन (2024) जैसी फिल्में बनाई हैं।

ईशा कोप्पिकर ने नीट विवाद पर बॉलीवुड की चुप्पी का किया बचा

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने नीट पेपर लीक विवाद और इस मामले में बॉलीवुड सितारों की चुप्पी को लेकर अपनी बात रखी है. उन्होंने उन लोगों को जवाब दिया है, जो लगातार यह सवाल उठा रहे थे कि आखिर फिल्म इंडस्ट्री के बड़े कलाकार इस मुद्दे पर खुलकर अपनी राय क्यों नहीं रख रहे हैं. ईशा ने कहा कि किसी भी पब्लिक फिगर के लिए हर मुद्दे पर बोलना जरूरी नहीं होता, बल्कि कई बार सोच-समझकर चुप रहना भी जिम्मेदारी का हिस्सा होता है. ईशा कोप्पिकर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया. एक्ट्रेस ने बताया कि कई लोग उनसे पूछ रहे थे कि उन्होंने नीट विवाद पर अब तक अपनी प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी. इस पर उन्होंने कहा कि वह भी इस पूरे मामले को लेकर चिंतित हैं, लेकिन हर विषय पर तुरंत बोलना ही सही तरीका नहीं होता. ईशा ने वीडियो में कहा, "नमस्कार, कई फैंस मुझसे पूछ रहे थे कि मैं नीट के बारे में बात क्यों नहीं कर रही हूं. इसलिए मुझे लगा कि यह बताना जरूरी है कि चाहे मैं इस समय कितना भी दुखी महसूस कर रही हूं, लेकिन हर चीज पर बोलना जरूरी नहीं होता. कई बार चुप रहना भी एक जिम्मेदारी होती है."

रोमांच और डर के सफर पर निकलेंगे अहान शेट्टी

अभिनेता अहान शेट्टी जल्द ही पहली बार हॉरर फिल्म में नजर आ सकते हैं। खबर है कि उन्होंने निर्देशक विक्रम भट्ट की आगामी फिल्म '1920: कोल्ड विंटर' के लिए हामी भर दी है। यह लोकप्रिय '1920' हॉरर फ्रेंचाइजी की छठी फिल्म होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की स्क्रिप्ट पर फिलहाल काम चल रहा है और इसकी आधिकारिक घोषणा जल्द की जा सकती है।

बताया जा रहा है कि रोमांटिक-एक्शन फिल्म 'तड़प' से अभिनय करियर की शुरुआत करने वाले अहान अब अलग-अलग शैलियों की फिल्मों में काम करना चाहते हैं। ऐसे में अलौकिक और हॉरर विषय पर आधारित यह फिल्म उनके लिए एक नया अनुभव होगी। वहीं, निर्माता आनंद पंडित और निर्देशक विक्रम भट्ट फिल्म की मुख्य अभिनेत्री की तलाश में हैं और किसी चर्चित अभिनेत्री को कास्ट करने की योजना बना रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, यदि सब कुछ तय योजना के अनुसार रहा तो '1920: कोल्ड विंटर' की शूटिंग इसी साल नवंबर में शुरू हो सकती है। शूटिंग शुरू होने से पहले विक्रम भट्ट और उनकी टीम लोकेशन फाइनल करने के लिए स्कॉटलैंड जाएगी। वहीं फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग मध्य प्रदेश और शिमला में भी किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

TV एक्टर करण कुंद्रा पर फिर लगे गंभीर आरोप, पूर्व को-स्टार सान्वी का खुलासा- "जबरन किस के बदले थप्पड़ मारा तो की मारपीट"

करण कुंद्रा टीवी के स्टार हैं. 'रोडीज' और 'बिग बॉस' जैसे शोज ने उनकी लोकप्रियता को बढ़ाया. वे अब तेजस्वी प्रकाश संग अपने अफेयर के चलते सुर्खियों में बने रहते हैं. टीवी स्टार की निजी जिंदगी किसी न किसी वजह से चर्चा में रही है. एक्ट्रेस सान्वी तलवार ने हाल में उन पर कुछ घिनौने आरोप लगाए हैं. एक्ट्रेस का कहना है कि करण कुंद्रा ने उन्हें टीवी शो 'ये कहां आ गए हम' की शूटिंग के बीच उन्हें जबरन किस किया था और मारा था.

सान्वी तलवार ने करण कुंद्रा पर उत्पीड़न और मारपीट का आरोप लगाया है. एक्ट्रेस का कहना है कि करण और शो के डायरेक्टर को पसंद नहीं था कि वे अलग-थलग रहती थीं और ज्यादा घुलती-मिलती नहीं थीं. उन्होंने करण कुंद्रा पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे जब एक सीन की शूटिंग कर रहे थे, तब डायरेक्टर के 'एक्शन' बोलने से पहले ही करण ने उन्हें किस कर लिया, जिसके जवाब में उन्होंने करण को थप्पड़ मार दिया. सान्वी तलवार ने फिर दावा किया कि इसके बाद करण ने उनके साथ मारपीट की. सान्वी तलवार ने 'फिल्मीबीट' को बताया, 'एक सीन की शूटिंग थी. मगर डायरेक्टर के 'एक्शन' बोलने से पहले ही करण ने मुझे किस कर लिया. मैंने फिर उन्हें थप्पड़ मार दिया. उन्होंने उस समय तो कोई रिएक्शन नहीं दिया, लेकिन कुछ देर बाद वापस आए और मुझे जोर से थप्पड़ मारा. लड़की-लड़के के थप्पड़ की ताकत में फर्क होता है. मैं जमीन पर गिर गई. उन्होंने फिर मुझे और मेरे परिवार को गालियां दीं.' सान्वी तलवार का आरोप है कि तब किसी ने उनका साथ नहीं दिया था, हालांकि एकता कपूर मैम ने करण कुंद्रा की ओर से माफी मांगी और मेरा साथ दिया. उस वक्त करण, अनुषा दांडेकर को डेट कर रहे थे. घटना के बाद वे सेट पर आने लगी थीं. सान्वी ने बताया कि सेट का माहौल इतना खराब हो गया था कि उनके लिए काम करना मुश्किल हो गया. एक्ट्रेस ने 'द ग्लैमवर्ल्ड टॉक्स' से बात करते हुए कहा कि जब उन्होंने अपने हक के लिए आवाज उठाई, तो डायरेक्टर उनकी एक्टिंग की काबिलियत पर सवाल उठाने लगे. हालांकि सान्वी ने डायरेक्टर का नाम नहीं लिया, लेकिन दीपक विठोबा चौहान, रंजन कुमार सिंह और रणदीप शांताराम महादिक इस शो से जुड़े रहे हैं. एक्ट्रेस सान्वी ने दावा किया कि औरतें, मर्दों की नजर को समझती हैं और उन्हें समझ आ गया था कि करण उनमें दिलचस्पी ले रहे हैं. हालांकि, एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने उस दिलचस्पी का कोई जवाब नहीं दिया. सान्वी ने कई पब्लिकेशन से बात की है, लेकिन करण कुंद्रा ने अभी तक इन आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया है. करण कुंद्रा की मंगेतर और एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश ने भी इन आरोपों पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है. ये आरोप नेटफ्लिक्स के शो 'देसी ब्लिंग' में करण और तेजस्वी की सगाई के महीनों बाद सामने आए हैं.

Air Marshal Dixit, Lt Gen Jain take charge as Vice Chiefs of IAF, Army

New Delhi, Agency: Air Marshal Ashutosh Dixit on Wednesday took over as Vice Chief of the Indian Air Force, while Lt Gen Sandeep Jain assumed charge as the Vice Chief of the Army.

Lt Gen Jain, an alumnus of the National Defence Academy, was commissioned into the MAHAR Regiment in June 1988. He has nearly four decades of service and has held a wide range of command and staff appointments across diverse operational environments.

Lt Gen Jain has commanded an Infantry Battalion, served with the United Nations Mission in South Sudan, and led an infantry brigade in a Strike Corps, a Counter Insurgency Force and a Pivot Corps in the Northern Command.

His operational experience includes participation in Operation Pawan in Sri Lanka, besides multiple tenures in high-altitude areas and counter-insurgency operations along the Line of Control and in the North East. Lt Gen Jain was the Southern Army Commander in his previous posting. Air Marshal Ashutosh Dixit, a fighter pilot with more than 3,500 hours of flying experience, will notably be the senior-most officer in line when the present IAF Chief Air Chief Marshal AP Singh superannuates in October this year. In his previous appointment as Chief of Integrated Defence Staff - a tri-services organisation under the Chief of Defence Staff - Air Marshal Dixit was part of the process of enhancing jointness and setting up the theatre commands. He has extensive flying experience on various aircraft, including the Mirage-2000, MiG variants, Jaguar, Tejas and Hawk. He has also flown the AN-32 and Avro transport aircraft. He is an experimental test pilot and a qualified flying instructor. During his service career spanning nearly four decades, he has been actively involved in numerous operations and exercises, including Operation Safed Sagar during the 1999 Kargil conflict and Operation Sindoor in 2025.

During his career, Air Marshal Dixit commanded a frontline fighter air base in the Western Sector and a premier fighter training base in the Southern Sector.

EPF contributions above Rs 1800/month to be voluntary

New Delhi, Agency: In an overhaul of provident fund rules for nearly eight crore active members, Employees Provident Fund Organisation (EPFO) has said 12% contribution up to the statutory wage ceiling, which is currently at Rs 15,000 a month, is mandatory. Any contribution above that will be treated as voluntary. Even if your basic salary is Rs 1 lakh a month, Rs 1,800 will be deducted towards your PF contribution - along with a matching contribution by the employer. But you will also have the option to park the amount out of the remaining salary towards retirement savings.

"An employee may opt to contribute, on a voluntary basis, an additional contribution on wages exceeding the statutory wage ceiling at statutory rate or at any rate in excess of statutory rate," according to provisions of the Employees' Provident Funds Scheme, 2026 notified Wednesday.

Employers have the option - not an obligation - to match these additional voluntary contributions, and both the employees and employers can reduce or discontinue such additional voluntary contributions at any time. An official told TOI, "The flexibility introduced in the scheme is to provide greater autonomy to the contributing members for their retirement savings. These provisions have been discussed extensively in the central board of trustee meetings (CBT) and have been made with their concurrence and align with the objectives of the new labour codes."

Given that most private sector employees and employers have a cost-to-company relationship, salaries may be restructured, allowing both sides to work out an arrangement that is beneficial to the EPFO subscriber.

The provision regarding coverage, however, remains unchanged as the new scheme provides continuity of membership by specifically stating that employees who were members under the earlier scheme will continue as members.

The new scheme implements the changes related to withdrawals which were approved by the Central Board of Trustees last Oct . These changes include increasing the number of withdrawals that can be made in a year and streamlining the categories for drawing out advance funds, from 13 to just three - essential needs (illness, education, marriage); housing needs; and special circumstances.EPFO has also approved advance withdrawal up to 100% of the 'eligible balance' in the PF, including employee and employer share, with members now required to always maintain 25% of the contributions in their accounts as the minimum balance.

VB-G RAM G ends MGNREGA's legal employment guarantee, says Congress

New Delhi, Agency: After the Centre notified the Viksit Bharat-Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin) (VB-G RAM G) Act, 2025, the Congress on Wednesday alleged that the new framework replaced the rights-based architecture of MGNREGA with a programme tied to budget allocations and government approvals.

The party argued that under the new model, employment would no longer flow from demand raised by workers, but from labour budgets approved in advance, expenditure ceilings fixed by the Centre and the financial capacity of state governments. The criticism sharpened after the government also notified daily wage rates under the new scheme, with wages in most states remaining around Rs 300 per day.

Calling the rates "unjustifiably low", Congress general secretary Jairam Ramesh said the new rates ignored both expert recommendations and the rising cost of living.

Manoharpura becomes 2nd Multi-Lane Free Flow toll plaza on Delhi-Jaipur NH-48

New Delhi, Agency: The National Highways Authority of India (NHAI) has accelerated the transformation of India's electronic toll collection system with the launch of Multi-Lane Free Flow (MLFF) at the Manoharpura Toll Plaza on the Delhi-Jaipur section of NH-48 in Rajasthan.

The latest rollout marks another significant step towards enabling seamless, barrier-free highway travel by eliminating the need for vehicles to stop at toll plazas, thereby reducing travel time, congestion and fuel consumption. The launch at Manoharpura follows the successful commissioning of Rajasthan's first MLFF tolling system at Daulatpura Toll Plaza on the Delhi-Jaipur Section on 19th June. Following the launch at Manoharpura, NHAI is also planning to transit the toll plaza at Shahjahanpur to the MLFF system, making commuting on the busy Delhi-Jaipur section of NH-48 seamless and barrier-free.

Parliament panel to adopt report on bill to sack PM, CMs on July 17

New Delhi, Agency: A parliamentary committee scrutinising the anti-corruption bill, which seeks automatic removal of PM, CMs and ministers if they are in detention for 30 days on serious criminal charges, is likely to adopt its report with certain amendments that may tweak some of its more contentious provisions on July 17, opening the path for govt to push for its passage in Parliament's monsoon session. With opposition vehemently against the Constitution (130th Amendment) Bill alleging that it is aimed at their state govts, it remains to be seen if the BJP-led NDA dispensation at the Centre can pull off the two-thirds majority in Parliament, especially in Lok Sabha, needed to pass the proposed law.

While the committee headed by BJP MP Aparajita Sarangi is likely to finalise its report in the coming days, a few MPs are of the view that the panel may reconsider the key provision of linking the removal of top authorities to 30 days of detention and introduce some safeguards, a view conveyed by some law experts and bodies as well in their opinions to the panel.

Sarangi emphasised th-at everybody had appreciated govt's intent to uphold constitutional morality. "Nobody has opposed the main idea of the bill. People have given suggestions and very positive recommendations," she told Media. So unbending has been opposition's denunciation of the bill that most of them, including Congress, SP, TMC and DMK, refused to join the joint committee, which generally includes representation from across the board. Two opposition MPs in the committee are AIMIM's Asaduddin Owaisi and NCP - SP's Supriya Sule.

Home minister Amit Shah, who had introduced the bill in Aug last year, has vigorously defended the bill, arguing that PM, CMs or ministers cannot be allowed to run their office from jail, a clear reference to former Delhi CM Arvind Kejriwal and V Senthil Balaji, a minister in DMK govt in Tamil Nadu.

Indian Army's field hospital saves elderly woman rescued from rubble in quake-hit Venezuela

New Delhi, Agency: The Indian Army on Wednesday saved a 79-year-old woman, who was pulled out from rubble of a house in serious condition nearly a week after the deadly twin earthquakes struck Venezuela, by providing her urgent medical care. India has installed a field hospital in Venezuela capital Caracas to provide medical aid and humanitarian assistance to quake survivors under Operation Amistad.Indian Army set up the field hospital in Caracas on June 28 soon after reaching the quake-affected region with medical supplies and relief material. The woman, whose house was damaged in twin earthquakes, was shifted to the field hospital on June 29.Sharing images, the Indian Army, in a post on X on Wednesday, said, "OperationAmistad: A Lifeline Amidst the Rubble. The Indian Army Field Hospital continues to serve as a beacon of hope, delivering compassionate medical care to those affected. For a 79-year-old survivor, being rescued from the collapsed building marked only the beginning of her ordeal."Giving details, the Army post said: "Trapped beneath the debris with a fractured leg and suffering from peripheral arterial disease, delayed access to medical care led to a severe arterial ulcer and intense pain. The medical team stabilised her fracture, initiated advanced wound care and established daily follow-up treatment, providing not only specialised medical support but also renewed hope for recovery."

NET Sociology paper leaves candidates lost in typos

New Delhi, Agency: The UGC-NET paper meant to test sociology candidates has itself come under scrutiny, with aspirants alleging that the June 30 exam was riddled with spelling errors, garbled names of key thinkers, awkward Hindi translations and questions that appeared disconnected from the prescribed syllabus.Candidates alleged that names and terms central to sociology were mangled in the question paper: "Ritzer" appeared as "Putzer", "social" as "oval", "Parsons" as "Parsow", "Ghurye" as "Ghunye", "A R Desai" as "A K Desai" and "Nussbaum" as "Nusbaut". They claimed the errors were not isolated typos but part of a larger problem of poor paper-setting and inadequate quality checks in a national eligibility examination conducted by NTA. Several candidates who appeared for the sociology paper alleged that the questions had spelling mistakes, grammatical errors, weak Hindi translations and confusing phrasing, making parts of the paper difficult to comprehend.

Candidate Antara Chakrabarty took to X to allege that the paper had "crossed all limits of academic deceit and accountability". She claimed the paper asked questions that appeared AI-generated and included "random thinkers and books" not associated with the syllabus. "Not even getting started on the irregularity of the paper asking AI-generated questions, random thinkers and books not even remotely associated with the syllabus provided. This is where the last nail in the coffin comes. 50% of the paper had terrible spelling errors and grammatically disastrous sentence formation," she wrote.

Listing the alleged errors, she added: "Thinkers like 'Ritzer' was replaced as 'Putzer', 'social' was given as 'oval', 'Parsons' as 'Parsow', 'Ghurye' as 'Ghunye', A R Desai as 'A K Desai', 'Nussbaum' as 'Nusbaut' and many more.

UD ministry sends eviction notice to Gymkhana Club

New Delhi, Agency: The Centre has issued an eviction notice to the Delhi Gymkhana Club, saying that the club is in "unauthorised occupation of public premises" since the land lease ended on May 22. The Land and Development Office (L&DO) under the housing and urban affairs ministry, in the show-cause notice to the club, has sought an explanation why eviction order should not be passed against it.

Invoking the provisions of Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, L&DO has asked the club and all persons concerned occupying the premises to submit their response by July 7 and appear for a personal hearing on that day at 2.30pm. The govt's move to get back the 27.3 acre land parcel comes over a month after the Centre told Delhi HC on May 26 that it won't take forceful possession by June 5 (as per its earlier notice) and that the eviction proceedings would only be initiated in accordance with the law and after giving due notice.

India needs national strategy to improve access to new cancer therapies: Experts

New Delhi, Agency: India needs a coordinated national strategy to bridge the gap between breakthrough cancer treatments and patient access, ensuring that scientific advances benefit every eligible patient, leading oncologists, cancer survivors and public health experts said on Wednesday.

Speaking at a media roundtable on "Bridging Innovation and Affordability in Cancer Care", organised by the Indian Cancer Society (ICS), the experts said that although cancer treatment has advanced significantly, access remains limited due to high costs, inadequate insurance coverage, limited diagnostic facilities and unequal healthcare infrastructure. The roundtable, held during Cancer Survivor Month, brought together oncologists and cancer survivors to discuss ways to make innovations in cancer care more affordable and accessible across India. Jyotsna Govil, chairperson of the Indian Cancer Society, said cancer care is entering a new era of scientific innovation, but the challenge is ensuring these advances reach every patient who can benefit.

"Through dialogues like these, we hope to encourage informed public conversations that help improve access to quality cancer care while keeping patients at the centre of every decision," she said.